E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 12 | अंक : 316 | गुवाहाटी | सोमवार, 22 जून, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

होर्मुज में टोल टैक्स वसूला तो खैर नहीं — पेज 2
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्यपाल ने शुरू किए दो प्रमुख अभियान — पेज 3
जिसके पास योग से तपा शरीर है वहां रोग और बुढ़ापा नहीं होते : योगी आदित्यनाथ — पेज 5
फीफा विश्व कप ट्राफी की चोरी का रहस्य, 7 दिन बादजासूस कुत्ते ने... — पेज 7

असम प्रीमियर लीग का शुभारंभ

सीएम ने लोगो और ट्रॉफी का किया अनावरण

गुवाहाटी (हि.स.)। असम क्रिकेट संघ (एसीए) ने रविवार को बरसापारा स्थित एसीए स्टेडियम के 91 यार्ड्स क्लब ऑडिटोरियम में असम प्रीमियर लीग (एपीएल) का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने लीग के आधिकारिक लोगो, ट्रॉफी तथा भाग लेने वाली टीमों की पहचान का अनावरण किया। कार्यक्रम में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मानद सचिव देवजीत लोन सैकिया, एसीए अध्यक्ष तरंग गोगोई, सचिव सनातन दास, विभिन्न फ्रेंचाइजी मालिकों, प्रशासकों और क्रिकेट जगत से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एसीए ने इसे राज्य के क्रिकेटरों के लिए एक संगठित और स्वदेशी प्रतिस्पर्धी मंच की शुरुआत बताया। कार्यक्रम की शुरुआत असम प्रीमियर लीग के अध्यक्ष राजदीप ओझा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने लीग की परिकल्पना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता उभरते क्रिकेटरों को पेशेवर अवसर प्रदान करने और राज्य में घरेलू क्रिकेट के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। एपीएल के पहले संस्करण में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें जोरहाट स्टैलियंस, तेजपुर टाइटंस, डिब्रूगढ़ वॉरियर्स, बराक लीजेंड्स, नगांव रेंजर्स, बरपेटा ब्रेव्स, गुवाहाटी रॉयल्स और चराइदेउ सनराइजर्स शामिल हैं। प्रतियोगिता के मैचों का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर किया जाएगा, जबकि जियोहॉटस्टार पर इसकी -शेष पृष्ठ दो पर

जापानी पीएम के असम दौरे की तैयारी तेज

गुवाहाटी (हि.स.)। आगामी 01 जुलाई को जापान के प्रधानमंत्री के प्रस्तावित असम दौरे को लेकर गुवाहाटी में व्यापक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इस महत्वपूर्ण यात्रा को असम और जापान के बीच आर्थिक तथा निवेश संबंधों को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, जापान के प्रधानमंत्री के साथ 60 से अधिक प्रमुख जापानी कंपनियों के शीर्ष अधिकारी और प्रतिनिधि भी असम आएंगे। इस दौरान विभिन्न विकास परियोजनाओं और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा होने की संभावना -शेष पृष्ठ दो पर

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : गुवाहाटी में मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री सीतारमण ने किया योग

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर रविवार को गुवाहाटी में योग किया। फोटो - दशरथ डेका

गुवाहाटी (हि.स.)। देश के अन्य हिस्सों की तरह समूचे असम के साथ ही गुवाहाटी में भी रविवार को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सत्र का आयोजन किया गया। विभिन्न स्थानों पर असम सरकार के मंत्रियों के साथ ही प्रमुख हस्तियों ने योग सत्र में हिस्सा लेते हुए लोगों से स्वस्थ मन, स्वस्थ शरीर और स्वस्थ समाज का संदेश दिया। इस कड़ी में गुवाहाटी के उजान बाजार में ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे 12वें अंतर्राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

कड़ी सुरक्षा में नीट एग्जाम संपन्न कई सवालों ने छुड़ाए छात्रों के पसीने

नई दिल्ली। देश भर के विभिन्न केंद्रों पर रविवार को नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। पिछले 3 मई को हुई परीक्षा के रद्द होने के बाद, इस बार पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। 22.79 लाख से अधिक उम्मीदवारों वाली इस परीक्षा के दौरान केंद्रों पर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, प्रवेश द्वारों पर सख्त तलाशी और अतिरिक्त सीसीटीवी निगरानी जैसी व्यवस्थाएं लागू रहीं, जिससे पूरी प्रक्रिया बिना किसी बाधा के सुचारू रूप से पूरी हुई। परीक्षा देकर बाहर निकले छात्रों की शुरुआती प्रतिक्रियाओं के अनुसार, इस बार का प्रश्नपत्र पिछली परीक्षा के मुकाबले काफी लंबा और कठिन था। उम्मीदवारों का कहना है कि पूरे पेपर -शेष पृष्ठ दो पर

15 मेडिकल कॉलेज परियोजनाओं की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

समय पर पूरा करने पर जोर दिया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार, 21 जून को कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना का अब तक का सबसे बड़ा विस्तार हो रहा है, जिसमें कई मेडिकल कॉलेज और अस्पताल वर्तमान में निर्माणाधीन हैं और कई अन्य पाइपलाइन में हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने 11 निर्माणाधीन और चार आगामी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की प्रगति की समीक्षा की ताकि उनका समय पर निष्पादन और कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। असम के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में अब तक का सबसे बड़ा विस्तार हो रहा है। कल मैंने 11 निर्माणाधीन और 4 आगामी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की प्रगति की समीक्षा की ताकि समय पर क्रियान्वयन और कार्यान्वयन -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

गुवाहाटी में कराटे खिलाड़ियों का किया गया सम्मान

गुवाहाटी। गुवाहाटी के भोगेश्वरी फुकननी इंडोर स्टेडियम में हाल ही में आयोजित 24वीं अखिल भारतीय कराटे प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आज एक विशेष समारोह में सम्मानित किया गया। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में रंगिया कराटे अकादमी के खिलाड़ियों ने कुल 6 स्वर्ण, 4 रजत और 7 कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस उपलक्ष्य में रंगिया के नवसुरुज पुस्तकालय से जुड़े प्रशिक्षण केंद्र परिसर में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्ट संगीतकार शांतनु बरुआ, रंगिया जिला कराटे एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष निपन भुइयां, महासचिव सैयद मजहारुल इस्लाम, कोषाध्यक्ष देवव्रत शर्मा सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की और विजेता खिलाड़ियों को औपचारिक रूप से सम्मानित किया। सफलतापूर्वक ब्लैक बेल्ट हासिल करने वाले इन प्रशिक्षुओं में साजिद आलम रहमान, प्रांजल प्रतिम राजबंशी, अलेक्सिया तालुकदार, चिश नबीउल्लाह, हिया दास, जुगामी नार्जारी, अनुराग पराशर, पीयूष वैश्य, मार्जिया तमन्ना, अविनाश पाठक, सेवांग सैकिया, निशांत दास और तन्मय कलिता शामिल हैं। इस उपलब्धि पर अकादमी और स्थानीय खेल प्रेमियों में भारी हर्ष का माहौल है।

डोनाल्ड ट्रंप का ईरान को अल्टीमेटम

होर्मुज में टोल टैक्स वसूला तो खैर नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में होने वाली बड़ी शांति वार्ता से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान दिया। ट्रंप ने शनिवार को साफ कर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले कमर्शियल जहाजों पर किसी भी तरह का टोल टैक्स नहीं लगाया जाएगा। ट्रंप का यह बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि ईरान 60 दिनों के सीजफायर के बाद इस समुद्री रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स वसूलने की प्लानिंग कर रहा है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि 60 दिनों के युद्धविराम के दौरान होर्मुज स्ट्रेट में कोई टोल नहीं होगा। और इसके बाद भी कोई टोल नहीं लगाया जाएगा। अगर समझौता फेल होता है, तो केवल अमेरिका ही मिडिल ईस्ट के देशों की सुरक्षा पर हुए खर्च की भरपाई के लिए खुद ऐसा

कदम उठा सकता है। लेबनान में इजरायल की तरफ से लगातार हो रहे हमलों से नाराज होकर ईरान ने शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट को फिर से बंद करने का बड़ा एलान कर दिया है। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने कहा कि यह कदम इजरायली हमलों और अमेरिका की बदनीयती के विरोध में उठाया गया है, क्योंकि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के अपने वादों को तोड़ा है। ईरानी सरकारी टीवी ने यह चेतावनी भी दी है कि अगर हमले नहीं रुके, तो वे और भी कड़े कदम उठाएंगे। इस पूरे तनाव के बीच, ईरान के बातचीत करने वाले अधिकारी स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं, हालांकि उन्हें इस मीटिंग से बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं। दूसरी तरफ, मुख्य मध्यस्थ पाकिस्तान ने जानकारी दी है कि रविवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में टेक्निकल लेवल की बातचीत शुरू होगी। इस बातचीत में पाकिस्तान के साथ कतर के मध्यस्थ भी शामिल होने जा रहे हैं ताकि दोनों देशों के बीच बीच का रास्ता निकाला जा सके।

जेडीयू की कमान फिर नीतीश कुमार के हाथ राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही करेंगे बिहार का दौरा

पटना। जनता दल यूनाइटेड की राष्ट्रीय परिषद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हो गई है। इस बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष और उमेश कुशवाहा को बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी गई है। बैठक के बाद मंत्री मदन सहनी ने मीडिया को बताया कि उमेश कुशवाहा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर काम करते रहेंगे। मदन सहनी ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद नीतीश कुमार जल्द ही पूरे बिहार के दौरे पर निकलेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य राज्य के अलग-अलग इलाकों में जाकर सरकार और पार्टी संगठन के कामकाज की समीक्षा करना है। इसके साथ ही, वे सीधे आम जनता से बातचीत करेंगे, उनकी समस्याओं को सुनेंगे और उनके

सुझाव भी लेंगे। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना सभी कार्यकर्ताओं के लिए बेहद खुशी की बात है। इस बैठक में नीतीश कुमार के बेटे और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिससे कार्यकर्ताओं का जोश दोगुना हो गया है। बैठक में शामिल हुए स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि हमने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उमेश कुशवाहा के नाम का समर्थन किया है। जेडीयू एक समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष पार्टी है, जो कार्यकर्ताओं के दम पर चलती है। हमारा लक्ष्य पार्टी को और मजबूत करना है और पिछले 20 सालों में पिताजी द्वारा किए गए विकास कार्यों को राज्य के कोने-कोने तक पहुंचाना है।

चालक से अवैध रूप से धन वसूली करने के आरोप में पुलिसकर्मी निलंबित

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी में चालक से अवैध रूप से धन वसूली करने के आरोप में यातायात पुलिस के जवान रेकिबुल अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसकी जानकारी डीसीपी ट्रैफिक जयंत सारथी बोरा ने दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रेकिबुल अली ने राजेश डेका

नामक एक युवक से 7,000 रुपए की मांग की थी। बताया गया है कि जब राजेश डेका ने 2,500 रुपए दिए, तभी स्थानीय लोगों ने मौके पर रेकिबुल अली को पकड़ लिया और घटना का विरोध किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपित पुलिसकर्मी को निलंबित कर दिया। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। डीसीपी ट्रैफिक जयंत सारथी बोरा ने स्पष्ट किया कि गुवाहाटी यातायात पुलिस कभी भी जुर्माने के रूप में नकद राशि नहीं लेती है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि यदि कोई पुलिसकर्मी नकद धनराशि की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

संस्कृत में महारत : कोकराझाड़ की चंदा शर्मा का नाम *एशिया और इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स* में दर्ज

कोकराझाड़। कोकराझाड़ के वार्ड नंबर 4, सीएलबी रोड निवासी राहुल शर्मा की धर्मपत्नी, चंदा शर्मा (चांदनी) ने संस्कृत भाषा पर अपनी अद्भुत पकड़ और कौशल का लोहा मनवाया है। चंदा शर्मा को उनके संस्कृत वाचन और लेखन में असाधारण गति और

सटीकता के लिए प्रतिष्ठित *एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स* और *इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स* में स्थान दिया गया है। चंदा शर्मा ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मात्र 3 मिनट में 74 संस्कृत श्लोक स्पष्ट रूप से सुनाकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया। साथ ही, लेखन कौशल में भी उन्होंने कीर्तिमान स्थापित करते हुए मात्र 3 मिनट में 30 संस्कृत श्लोक लिखकर अपनी दक्षता सिद्ध की। इस अद्वितीय प्रदर्शन के लिए उन्हें विभिन्न मंचों पर सम्मानित भी किया गया है। अपनी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चंदा शर्मा ने कहा कि उन्हें संस्कृत भाषा से विशेष लगाव है और वे इसे जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं। उनके इस कीर्तिमान से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे कोकराझाड़ जिले का मान बढ़ा है। स्थानीय निवासियों और शुभचिंतकों ने चंदा शर्मा को इस गौरवपूर्ण सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी है। इस उपलब्धि के साथ चंदा शर्मा ने यह साबित कर दिया है कि लगन और मेहनत से किसी भी कठिन भाषा या विषय में महारत हासिल की जा सकती है। उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है। वही राहुल शर्मा के सुपुत्र आर्यन शर्मा को 2021 में एवं सुपुत्री श्रुति शर्मा को 2024 में ये दोनो (एशिया बुक आफ रिकॉर्ड और इंडिया बुक आफ रिकॉर्ड्स) अपना नाम दर्ज करवा चुके है अलग अलग छेत्रो में।

गोसाईगांव की बेटी प्रिया मालू बनीं डॉक्टर, क्षेत्र का नाम किया रोशन

कोकराझाड़। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव के लिए गौरव की बात है कि यहां की बेटी प्रिया मालू ने डॉक्टरी की उपाधि प्राप्त कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। प्रिया की इस उपलब्धि से उनके परिवार और पूरे गोसाईगांव में खुशी का माहौल है। प्रिया मालू, तामारहाट निवासी मांगीलाल व रतनी देवी मालू की सुपौत्रि है एव शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवक जेठमल मालू और लीला

मालू की सुपुत्री हैं। अपनी कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर प्रिया ने चिकित्सा के क्षेत्र में यह मुकाम हासिल किया है। प्रिया ने कड़ी मेहनत से एमबीबीएस पूरा किया हैं। प्रिया की इस सफलता पर उनके शुभचिंतकों और स्थानीय लोगों ने उन्हें बधाई दी है। लोगों का कहना है कि उनकी यह उपलब्धि गोसाईगांव के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

असम भाजपा मुख्यालय में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

गुवाहाटी (हि.स.)। पूरे असम के साथ-साथ राज्य भाजपा के मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में रविवार को 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं दरंग-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया की उपस्थिति में दिसपुर विधानसभा क्षेत्र के राजधानी मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने योगाभ्यास किया। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए दिलीप सैकिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और नेतृत्व में योग आज विश्वभर में एक जनांदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक और आध्यात्मिक शक्तियों के समन्वय का प्रभावी माध्यम है। सामूहिक योगाभ्यास मन को संतोष, शांति और पवित्रता प्रदान करता है। वहीं, गुवाहाटी के ब्रह्मपुत्र तट पर स्थित सती राधिका उद्यान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के केंद्रीय समारोह में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि योगाभ्यास मन को शांति, शरीर को शक्ति और जीवन में सकारात्मकता प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पुरानी भारतीय सभ्यता की इस अमूल्य धरोहर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक पहचान मिलना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। मुख्यमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 12 वर्षीय यात्रा के अवसर पर प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में योग एक वैश्विक जनआंदोलन में परिवर्तित हो गया है। प्रदेश भाजपा द्वारा जारी बयान के अनुसार, असम के 23,498 गांवों में 37,383 स्थानों पर एक साथ योग कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्वयं सहायता समूहों के 32 लाख से अधिक सदस्यों सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। बयान में बताया गया कि भाजपा के 39 संगठनात्मक जिलों, 395 मंडलों तथा 30 हजार से अधिक बूथों पर भी योग दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लाखों कार्यकर्ताओं ने भागीदारी निभाई।

डॉ. हेडगेवार की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने अर्पित की श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की पुण्यतिथि पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के अपने आधिकारिक हैंडल से एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि मैं मां भारत की एक कट्टर भक्त, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूज्य डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार डांगरिया की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। राष्ट्र निर्माण के महान आदर्श को समर्पित उनका पूरा जीवन और *राष्ट्र सर्वोपरि* की सोच हमेशा हमें प्रेरणा देती रही है और आगे भी देती रहेगी।

तेरापंथ युवक परिषद्, नगांव की वार्षिक साधारण सभा गरिमामय रूप से सम्पन्न

नगांव। तेरापंथ युवक परिषद्, नगांव की वार्षिक साधरण सभा शनिवार को शाम 4.30 बजे तेरापंथ सभा भवन, नगांव में अत्यंत गरिमा, उत्साह और संगठनात्मक समर्पण के साथ संपन्न हुई। साधरण सभा में परिषद् के

पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, आम सदस्य, आमंत्रित अतिथि की उपस्थिति रही। साधारण सभा का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ, तत्पश्चात मंत्री अमित दुगड़ एवम सदस्यों ने विजय गीत की प्रस्तुति दी। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन ते.यू.प के पूर्व अध्यक्ष विवेक बोरड़ द्वारा किया गया। पीयूष पूगलीया ने अध्यक्षीय भाषण में अपने कार्यकाल की जानकारी दी. मंत्री प्रतिवेदन मे अमित दुगड़ ने सबका स्वागत किया तत्पश्चात उपलब्धियों और सेवा कार्यो की संक्षिप्त जानकारी दी। मंत्री अमित दुगड़ द्वारा प्रस्तुत वार्षिक प्रतिवेदन में परिषद् की सेवा, संस्कार और संगठन से जुड़ी विविध गतिविधियों को रेखांकित किया गया एवं जिसे सभा ने अनुमोदित किया। कोषाध्यक्ष रवि कोठारी ने आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने अनुमोदित किया। साधारण सभा के दौरान मंत्री अमित दुगड़ द्वारा सेवा-निवृत्त सदस्यों, कार्यकारिणी सदस्यों, रास्ते की सेवा में अग्रणी कार्यकर्ताओं का विशेष धन्यवाद दिया। चुनाव अधिकारी संदीप गुजरानी के संचालन में सम्पन्न निर्वाचन में अमित दुगड़ को सर्वसम्मति से नव अध्यक्ष एवम मनीष पूगलीया को मंत्री पद पर मनोनीत किया गया। उनके चयन पर सामूहिक अर्हम की ध्वनि से स्वागत किया।साधारण सभा का समापन संगठन मंत्री शुभम दुगड़ के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

पृष्ठ एक का शेष

असम प्रीमियर लीग...

लाइव स्ट्रीमिंग होगी। समारोह का एक प्रमुख आकर्षण लीग के उद्घाटन संस्करण में भाग लेने वाली आठ फ्रेंचाइजी टीमों की आधिकारिक घोषणा रहा। इन टीमों में जोरहाट स्टैलियंस, तेजपुर टाइटंस, डिब्रूगढ़ वॉरियर्स, बराक लीजेंड्स, नगांव रेंजर्स, बरपेटा ब्रेव्स, गुवाहाटी रॉयल्स तथा चराइदेउ सनराइजर्स शामिल हैं। ये सभी टीमें असम प्रीमियर लीग के पहले संस्करण में खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम के लोगों के दिलों में क्रिकेट का विशेष स्थान है और असम प्रीमियर लीग राज्य में क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह लीग युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर देने के साथ आने वाले वर्षों में देश की प्रभावशाली राज्य स्तरीय लीगों में शामिल होगी। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि मजबूत घरेलू क्रिकेट के विकास के लिए इस तरह की पेशेवर राज्य स्तरीय लीग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने एसीए की इस पहल की सराहना करते हुए सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही मुख्यमंत्री के नेतृत्व और खेल क्षेत्र में असम को नई पहचान दिलाने के प्रयासों की भी प्रशंसा की। एसीए ने बताया कि लोगो, ट्रॉफी और फ्रेंचाइजी पहचान का अनावरण लीग के पहले चरण की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। खिलाड़ियों की नीलामी, मैच कार्यक्रम और अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित घोषणाएं आने वाले सप्ताहों में की जाएंगी।

जापानी पीएम के ...

है। विदेशी मेहमानों के स्वागत के लिए गुवाहाटी में विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। एलजीबीआई हवाई अड्डे के समीप एक विशाल मंच का निर्माण किया जा रहा है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक दल असम की समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। दौरे को सफल बनाने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है। यह यात्रा असम के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निवेश आकर्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस...

योग दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ ही केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हिस्सा लेते हुए योग अभ्यास किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों को योग करते देखा गया। मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री ने योग कर सेहत और सद्भाव की भावना के साथ दिन की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया फेसबुक के अपने आधिकारिक हैंडल के जरिए कहा कि योग साधना मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के बीच एक सुंदर समन्वय स्थापित करती है। आज की व्यस्त जिंदगी में स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली बनाने में योग की भूमिका अद्वितीय है। उन्होंने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, आइए हम सभी योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर एक स्वस्थ, मजबूत और सकारात्मक समाज बनाने का संकल्प लें। उन्होंने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

कड़ी सुरक्षा में नीट ...

को हल करने में काफी समय लगा। छात्रों ने फिजिक्स सेक्शन को सबसे ज्यादा लंबा और पिछली बार की तुलना में थोड़ा अधिक कठिन बताया। कई छात्रों के मुताबिक केमिस्ट्री का स्तर भी इस बार काफी मुश्किल रहा। बायोलॉजी के सेक्शन को छात्रों ने अच्छा बताया, हालांकि इसके सवाल भी काफी लंबे और समय लेने वाले थे। परीक्षा में शामिल हुए कुछ उम्मीदवारों ने एक और महत्वपूर्ण बात साझा की है। उनका दावा है कि इस री-एग्जामिनेशन के प्रश्नपत्र में दो से तीन सवाल ऐसे थे, जो पिछले पेपर से हू-ब-हू दोहराए गए थे। कुल मिलाकर, छात्रों का मानना है कि इस बार का पेपर ओवरऑल काफी चुनौतीपूर्ण था।

15 मेडिकल कॉलेज ...

सुनिश्चित किया जा सके, शर्मा ने कहा। मुख्यमंत्री ने राज्य के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की प्राथमिकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें चल रही परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा करने, विश्व स्तरीय चिकित्सा और नर्सिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण और हरित और टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा परिसरों के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया गया। शर्मा के अनुसार, इस विस्तार का उद्देश्य एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का निर्माण करना है जो आने वाले दशकों तक असम के लोगों की सेवा करने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान चल रही परियोजनाओं को सुचारू रूप से पूरा करने, विश्व स्तरीय चिकित्सा और नर्सिंग अवसंरचना और हरित एवं टिकाऊ स्वास्थ्य सेवा परिसरों पर केंद्रित है। राज्य सरकार असम भर में नए मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों, नर्सिंग संस्थानों और संबद्ध स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना की स्थापना के माध्यम से चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने के लिए एक बड़ा अभियान चला रही है। शर्मा ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार लाने और चिकित्सा अवसंरचना में निरंतर निवेश के माध्यम से राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

भाषण के दौरान नारेबाजी पर भड़के मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बता दिया *यूजलेस फेलोज*

बेंगलुरु (हि.स.)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नवनियुक्त अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के पदभार ग्रहण समारोह के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकर्ताओं की नारेबाजी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान लगातार नारेबाजी से असंतुष्ट खड़गे ने कुछ कार्यकर्ताओं को फटकार लगाते हुए उन्हें *यूजलेस फेलोज* तक कह दिया। बेंगलुरु के पैलेस ग्राउंड पर आयोजित समारोह में खड़गे मंच से संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान कुछ कार्यकर्ता और मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थक लगातार डीकेशी, डीकेशी के नारे लगा रहे थे। बताया जाता है कि स्वयं डीके शिवकुमार ने भी कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील की, लेकिन नारेबाजी जारी रही। अपने संबोधन में लगातार बाधा पड़ने से खड़गे ने नाराजगी जताई। खड़गे ने कहा कि यहां इस तरह चिल्लाने से देश आपके हाथ में नहीं आ जाएगा। यूजलेस फेलोज। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह किसी एक व्यक्ति का कार्यक्रम नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी का कार्यक्रम है। खड़गे ने कहा कि यह पार्टी को एकजुट करने का कार्यक्रम है। केवल एक नेता के नाम के नारे लगाने से क्या बाकी नेता यहां कूड़ा उठाने आए हैं ? उन्होंने कार्यकर्ताओं को अनुशासन बनाए रखने की नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस में व्यक्ति पूजा के लिए कोई स्थान नहीं है और पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी है। उन्होंने कहा कि चाहे कोई नेता कितना भी बड़ा क्यों न हो, संगठन सर्वोपरि है। कांग्रेस पार्टी ने ही नेताओं को पहचान और ताकत दी है, इसलिए संगठन और अनुशासन को बनाए रखना सभी कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। खड़गे ने चेतावनी देते हुए कहा कि कार्यक्रम के दौरान अनुशासनहीनता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग की समीक्षा की जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित लोगों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे।

गुवाहाटी में महिलाओं ने देर रात लाठी लेकर चलाया अभियान

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के गणेशगुड़ी क्षेत्र में शनिवार देर रात स्थानीय महिलाओं का एक समूह हाथों में लाठी लेकर सड़कों पर उतर आया और कथित असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया। महिलाओं का आरोप है कि क्रॉसरोड्स बार से निकलने के बाद कुछ युवक-युवतियां सार्वजनिक स्थानों पर अनुचित एवं असामाजिक गतिविधियों में लिप्त रहते हैं, जिससे स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी के विरोध में महिलाओं ने देर रात सड़क पर उतरकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की।

तमिलनाडु की सीफूड फैक्ट्री में अमोनिया गैस लीक, सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत

चेन्नई (हि.स.)। पेरियापालयम के पास स्थित एक फैक्टरी में अमोनिया गैस रिसाव होने से सात महिलाओं समेत 10 मजदूरों की मौत हो गई है। महिलाओं की मौत पहले ही हो गई, लेकिन चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में तीन और मजदूरों की मौत होने से अब इस हादसे में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। तमिलनाडु सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है। साथ ही अस्पतालों में भर्ती कर्मचारियों के इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। तिरुवल्लूर जिले के पेरियापालयम के पास एक झींगा प्रसंस्करण (श्रिम्प प्रोसेसिंग) फैक्ट्री संचालित हो रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रमिक कार्यरत हैं। इसी दौरान 21 जून की सुबह जब श्रमिक काम कर रहे थे, तभी अचानक अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। इसके कारण कई श्रमिकों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। अमोनिया गैस रिसाव से प्रभावित होकर 7 महिलाओं की मौत हो गई। इसके बाद अमोनिया गैस रिसाव के कारण 45 से अधिक श्रमिक बेहोश हो गए। उन्हें तत्काल बचाकर मंजंगरनै क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला कलेक्टर एस. कविता ने बताया कि 46 मरीजों को वेल्स हॉस्पिटल और 21 मरीजों को वेंकटेश्वरा हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। इनमें से नौ गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई के सरकारी स्टेनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। बेहोश हुए कुछ लोगों के मुंह और नाक से खून भी बह रहा था। अस्पताल में उपचार के दौरान 2 श्रमिकों सहित कुल 3 लोगों की मौत हो गई। वर्तमान में कुछ लोग चेन्नई के स्टेनली अस्पताल में भी उपचार प्राप्त कर रहे हैं। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राज्यपाल ने शुरू किए दो प्रमुख अभियान

गुवाहाटी। असम के गवर्नर लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुआलकुची के ऐतिहासिक गांधी आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में दो प्रमुख पहलों कि *पीएम श्री गांव-गांव योग महा अभियान* और *अमर माटी-अमर नायक* – की शुरुआत की। इन प्रमुख पहलों का मकसद स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना और छह जिलों – कामरूप, बंगाईगांव, कछार, जोरहाट, कोकराझाड़ और शोणितपुर – में लोगों में सांस्कृतिक चेतना और देशभक्ति की भावना जगाना है। पहले चरण में, ये दोनों कार्यक्रम इन छह जिलों में लागू किए जाएंगे और बाद में पूरे राज्य में इनका विस्तार किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन से प्रेरित पीएम श्री गांव-गांव योग महा अभियान का लक्ष्य योग का संदेश और इसके फायदे असम के हर गांव, परिवार और नागरिक तक पहुंचाना है, ताकि स्वस्थ जीवन शैली को एक जन-आंदोलन बनाया जा सके। यह अभियान 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अनुरूप है, जिसे *स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग* थीम के साथ मनाया जा रहा है। यह थीम जीवन भर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बनाए रखने के महत्व पर जोर देती है।

अमर माटी-अमर नायक पहल का मकसद जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से उन गुमनाम स्थानीय नायकों की पहचान करना और उन्हें सम्मानित करना है, जिन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज को समृद्ध किया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य असम की समृद्ध विरासत को संजोना और सेवा व कर्तव्य के उन आदर्शों से युवा पीढ़ी को प्रेरित करना है, जिन्हें उनके पूर्वजों ने दिखाया था। गवर्नर श्री आचार्य ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुभकामनाएं दीं और दूसरों के साथ योग सत्र में हिस्सा लिया। इस मौके पर बोलते हुए, गवर्नर श्री आचार्य ने शुआलकुची को आत्मनिर्भरता के मामले में मशहूर जगह बताया। उन्होंने राज्य की समृद्ध हथकरघा परंपरा को संजोने और बढ़ावा देने के लिए शहर के कुशल बुनकरों की सराहना की। गवर्नर ने कहा कि पीएम श्री गांव-गांव योग महा अभियान और अमर माटी-अमर नायक जैसी दोनों पहलें एक स्वस्थ, जागरूक और आत्मविश्वसी असम के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि जहां योग शरीर और मन को मजबूत बनाता है, वहीं महान हस्तियों के काम और आदर्श समाज की आत्मा को मजबूत करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक विकसित समाज और विकसित राष्ट्र का निर्माण स्वस्थ, जागरूक और प्रेरणादायक नागरिकों से होता है। इस मौके पर राज्यपाल ने लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै, मोनीराम देवान और असम के अनगिनत जाने-माने और गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि ऐसी हस्तियों को याद करने और उनका सम्मान करने से राज्य की शानदार विरासत को बनाए रखने और आने वाली पीढ़ियों में राष्ट्रीय गर्व और जिम्मेदारी की मजबूत भावना को बढ़ावा देने में मदद मिलती है।

अंबुबासी से पूर्व कामाख्या धाम पहुंचीं निर्मला सीतारमण, मां का लिया आशीर्वाद

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंबुबासी मेला शुरू होने से पूर्व रविवार को कामाख्या धाम पहुंचकर मां कामाख्या के दर्शन किए और विशेष पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में पहुंचने पर मंदिर प्रबंधन एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने मां कामाख्या की पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। उल्लेखनीय है कि 22 जून से शुरू होने वाले अंबुबासी मेले के लिए कामाख्या धाम में व्यापक तैयारियां की गई हैं। देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया गया है।

सरकारी आरक्षित भूमि से अतिक्रमण हटाने की तैयारी में नगांव प्रशासन

नगांव (हि.स.)। नगांव जिला प्रशासन हाटीचोंग मौजा के अंतर्गत सरकारी आरक्षित भूमि पर कथित अतिक्रमण हटाने के लिए बड़े पैमाने पर बेदखली अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार आगामी दिनों में इस अभियान को शुरू किए जाने की संभावना है और इसके लिए आवश्यक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। असम सरकार के मंत्री केशब महंत तथा विधायक रूपक शर्मा ने अधिकारियों की एक टीम के साथ प्रस्तावित बेदखली के लिए चलाए जाने वाले स्थलों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सरकारी आरक्षित भूमि पर कथित रूप से किए गए अतिक्रमणों और वहां की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। प्रस्तावित अभियान के तहत नगांव सदर राजस्व चक्र के अंतर्गत स्थित गरैमारी पथार किस्म के सरकारी आरक्षित क्षेत्र संख्या-72 तथा बगरीगुड़ी पाम किस्म के सरकारी आरक्षित क्षेत्र संख्या-62 और 63 से अतिक्रमण हटाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार आरक्षित भूमि के कुछ हिस्सों पर स्थायी आवासीय ढांचे निर्मित किए गए हैं। इसके अलावा कथित अतिक्रमणकारियों द्वारा अधिसूचित भूमि क्षेत्र में तालाब भी खोदे गए हैं। प्रशासन का कहना है कि भूमि खाली करने के लिए 25 जुलाई, 2025 को संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। हालांकि, नोटिस के बावजूद भूमि पर कब्जा बनाए रखा गया और निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

असम अब देश-विदेश के पर्यटकों का प्रमुख आकर्षण केंद्र : भाजपा

गुवाहाटी (हि.स.)। एक समय में दुर्गम और असुरक्षित समझा जाने वाला असम आज देश-विदेश के पर्यटकों तथा निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य में शांति, विकास और पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने कहा कि वर्षों तक उग्रवाद और अस्थिरता से प्रभावित रहने वाला असम अब स्थायी शांति की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से विभिन्न संगठनों के साथ 12 से अधिक शांति समझौते हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप राज्य में सुरक्षा और विकास का वातावरण बना है। कलिता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के दौरे और वहां रात्रि प्रवास करने से असम के पर्यटन को वैश्विक पहचान मिली है। वर्ष 2025-26 में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में लगभग 5.48 लाख पर्यटकों ने भ्रमण किया, जबकि पिछले वर्ष राज्य के हवाई अड्डों का उपयोग 70 लाख से अधिक यात्रियों ने किया।

उन्होंने कहा कि हाल ही में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के असम दौरे के बाद यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के लिए असम यात्रा संबंधी प्रतिबंध हटाने की घोषणा की गई है। इससे असम के पर्यटन और निवेश क्षेत्र को नई गति मिलेगी। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया और जापान भी अपने नागरिकों के लिए असम संबंधी यात्रा प्रतिबंध समाप्त कर चुके हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राज्य सरकार की होमस्टे योजना, बौद्ध पर्यटन सर्किट में उत्तर-पूर्व को शामिल किए जाने, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संगीत कार्यक्रमों तथा आईपीएल एवं अन्य अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मुकाबलों के आयोजन से असम युवाओं और पर्यटकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पर्यटन क्षेत्र का राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान लगातार बढ़ रहा है।

डिमोरिया में उत्साह के साथ मना 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह

गुवाहाटी (हि.स.)। *स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग* (योगा फार हेल्दी एजिंग) विषय के साथ रविवार को डिमोरिया समजिला प्रशासन के सहयोग तथा राष्ट्रीय आयूष मिशन के तत्वावधान में कमारकुची स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर असम सरकार के वित्त, पर्यावरण एवं वन तथा खनिज एवं खनन मंत्री जयंत मल्ल बरुवा ने कहा कि नियमित योगाभ्यास से वृद्धावस्था को स्वस्थ एवं सक्रिय बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इसी संदेश को लेकर पूरे देश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग के नियमित अभ्यास से भारत को एक स्वस्थ राष्ट्र के रूप में विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने लोगों से प्रतिदिन योग करने का आह्वान करते हुए कहा कि असम में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 32 लाख से अधिक महिलाएं योग से जुड़ चुकी हैं।

राज्य भर में भी उत्साह के साथ मनाया गया 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

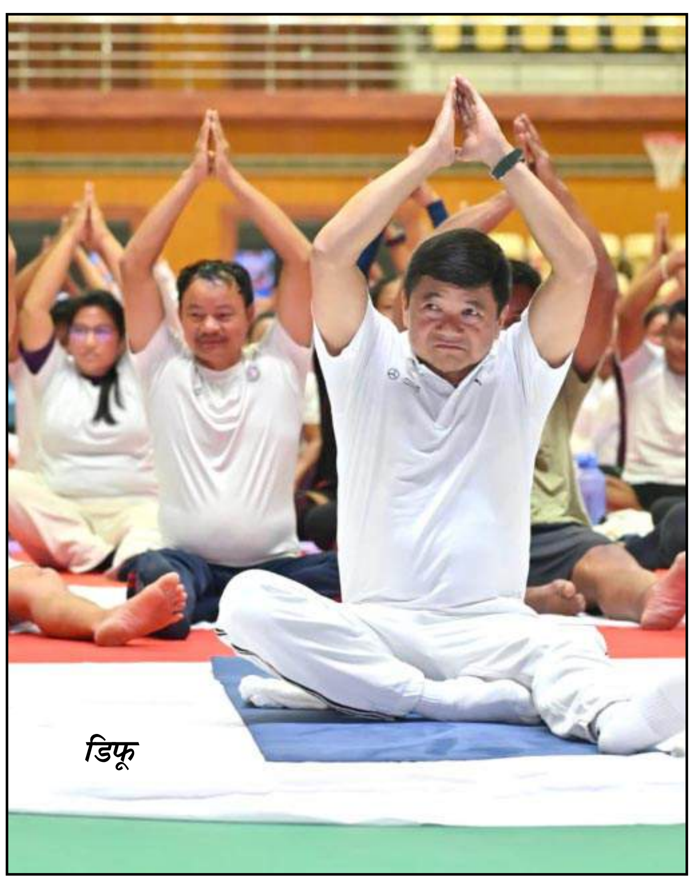

डिफू

विश्वनाथ चाराली

होजाई

रंगिया

धुबड़ी

विभास ब्यूरो, विश्वनाथ। आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर सतिया स्टेडियम मे भाजपा नागशंकर मंडल समिति व सतिया क्रीड़ा संस्था द्वारा योग दिवस का आयोजन किया गया कार्यकम की शुरुआत नदुवार के विधायक पद्म हजारिका की उपस्थिति में पारंपरिक तरीके से दीप प्रज्ज्वल कर के किया गया इसमें सरकारी अधिकारी विभिन्न दल संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ स्थानीय लोगों ने भाग लिया विधायक हजारिका ने स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए योग महत्व पर जोर दिया और लोगों को योग अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उधर विश्वनाथ जिले में स्थित महर्षि वेद विज्ञान विद्यापीठ के महर्षि आश्रम साधनालय में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भूपाल कुमार शर्मा (सिद्धि शिक्षक) के द्वारा गुरुपूजन करके किया गया। इसके बाद कु0 पूजा छेत्री एवं प्रकाश उपाध्याय, जो हरिद्वार से योग शिक्षक की उपाधि प्राप्त है, उनके द्वारा योगासन का अभ्यास उपस्थित सभी वेद विद्यार्थी और आचार्य को कराया गया। इसके पश्चात महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रणीत भावातीत ध्यान का अभ्यास किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्याचार पं0 पुन्य प्रसाद वास्तोला एवं आचार्य खगेंद्र गौतम जी द्वारा किया गया। साथ ही विशिष्ट अतिथि महेंद्र सिंह छेत्री स्थानीय उद्योगपति एवं समाज सेवक के द्वारा योगासन से मिलने वाले लाभांश के बारे में सभी को विस्तृत जानकारी दी गयी ।साथ ही आमंत्रित अतिथि संतोष कुमार महतो द्वारा भी योग से मिलने वाले लाभ के बारे में बताया गया। इस अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में आये हुए समस्त अतिथिगण का आश्रम प्रभारी मनोज सिंह द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। अंत में सभी को प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। योगासन कार्यक्रम में सभी वैदिक आचार्य, पंडितगण, स्टाफ और सभी उपस्थिति एवं सहयोग से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

होजाई से हमारे संवाददाता बताते हैं कि विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आज 21 जून को होजाई जिले में भी होजाई जिला प्रशासन के तत्वावधान में *स्वस्थ बुजुर्गों के लिए योगासन* विषय पर द्वादश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कोलकाता से केंद्रीय स्तर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए जा रहे प्रसारण के साथ समकक्ष रूप से योगासन और प्राणायाम कराते हुए मनाया गया। नटराज योग विज्ञान महाविद्यालय के योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में आयोजित योग कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर जिला आयुक्त देव प्रसाद मिश्र ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वी. वी. राकेश रेड्डी; अतिरिक्त जिला आयुक्त पूजा दास और निलाक्षी वैश्य; सहायक आयुक्त डॉ. विभूति संदीकोई और रुबू बोरा; अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपम बरदोलोई के साथ-साथ जिला प्रशासन एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राएं ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। वहीं जिले के गीता आश्रम, होजाई म्युनिसिपल बोर्ड, होजाई खेल संस्था होजाई जिला न्यायिक विधि प्राधिकरण, होजाई जिला वरिष्ठ नागरिक संस्था सहित विभिन्न संस्थाओं द्वारा योग दिवस का आयोजन किया गया व संदेश दिया गया कि योग सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं किंतु यह हमारे रोजमर्रा जीवन का अभिन्न अंग है और इसके निरंतर अभ्यास से हम स्वस्थ, समृद्ध जीवन यापन कर सकते हैं।।

डिफू में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया : रविवार को डिफू के सारसिंग टेरोन लैंगकुंग हेबे मल्टीपर्पस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में *स्वस्थ उम्र बढ़ने के लिए योग* थीम के तहत 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में सरकारी अधिकारियों, छात्रों, योग अभ्यासियों और आम जनता ने भाग लिया। केएएसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) और विधायक डॉ. तुलिराम रोंगहांग मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद अमरसिंह टिस्सो और जिला आयुक्त अरण्यक सैकिया भी मौजूद थे। मुख्य अतिथि के तौर पर सभा को संबोधित करते हुए, केएएसी सीईएम और विधायक डॉ. तुलिराम रोंगहांग ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है जो शारीरिक फिटनेस, मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एक स्वस्थ समाज के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर, सीईएम डॉ. तुलिराम रोंगहांग, सांसद अमरसिंह टिस्सो, विधायक निशो टेरानपी और जिला आयुक्त अरण्यक सैकिया ने 19 जून, 2026 को आयोजित जिला-स्तरीय योग प्रतियोगिता की चार श्रेणियों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

रंगिया से हमारे संवाददाता बताते हैं कि विश्व भर के साथ-साथ आज रंगिया में भी बेहद उत्साह और उमंग के साथ 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। रंगिया सह-जिला प्रशासन की पहल से तथा स्थानीय गैर-सरकारी संगठन *साधना* और किसान कानन सोशियो इकोनॉमिक डेवलपमेंट ट्रस्ट के सहयोग से सुबह 6:30 बजे से इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष के मुख्य विषय (थीम) *स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग* को आगे रखकर आयोजित किए गए इस सामूहिक योगाभ्यास में क्षेत्र के बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों, युवाओं और स्थानीय लोगों सहित बच्चों ने भी बड़े ही उत्साह के साथ हिस्सा लिया। योग गुरु ज्योतिष कलिता की देखरेख में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम का अभ्यास किया। वहीं दूसरी ओर योग दिवस के अवसर पर साधना संस्था द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका योग प्रभाती के 12वें संस्करण का विमोचन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व रंगिया के विधायक भवेश कलिता ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद स्वस्ति अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. हितेंद्र कलिता ने सभी से योग को अपनी दैनिक जीवन शैली का एक अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योग प्रदर्शन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंत में योग दिवस के मौके पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार आमंत्रित अतिथियों द्वारा वितरित किए गए। कार्यक्रम में रंगिया और कोया के राजस्व चक्र अधिकारी क्रमशः तृष्णा मिपुन और राकेश ठाकुर, रंगिया सह-जिले की सहायक आयुक्त जिलजीली थाउसेन और वाहेदुज जमान, रंगिया पौर सभा के कार्यवाहक अधिकारी समीरन बोरा उपस्थित थे। इनके अलावा साधना के अध्यक्ष रमेश डेका, असम डॉन बॉस्को यूनिवर्सिटी के संचालक डॉ. मनोरंजन कलिता, रंगिया महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की अध्यापिका रानू चौधरी, सेवानिवृत्त अध्यापक पविन कलिता सहित सह-जिला प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी भी इस योग शिविर में शामिल हुए।

धुबड़ी से हमारे संवाददाता बताते हैं कि धुबड़ी शहर में स्थित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी गुरुद्वारा में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। गोलकगंज के विधायक और सामाजिक न्याय अधिकारिकता मृदा संरक्षण और अल्पसंख्यक कल्याण एवं विकास मंत्री अश्विनी राय सरकार ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा धुबड़ी शहर में कई सरकारी व गैर सरकारी संस्था और धुबड़ी मारवाड़ी सम्मेलन आदि ने सुबह 6:00 बजे से सुबह 7:00 तक योग दिवस के दौरान योग का आसान करते हुए देखा गया।

संपादकीय

सेहत पर भारी विकास

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दर्शाता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है। इसके बावजूद प्रदूषणरोधी उपकरण लगाने की समय-सीमा और निर्धारित मानकों को लेकर किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। सही मायने में चेतावनी के बावजूद बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ा जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि साफ हवा औद्योगिक विकास में कोई बाधा उत्पन्न नहीं करती है। यही स्थायी व दूरगामी परिणामों वाले विकास की अपरिहार्य शर्त भी है। सही मायनों में हरियाणा की अर्थव्यवस्था तब तक फल-फूल नहीं सकती, जब तक यहां के लोगों को अपनी सेहत की कीमत पर यह विकास करना पड़े। इसमें दो राय नहीं कि प्रगति और विकास की दृष्टि से राज्य के उद्योगों ने अग्रणी भूमिका निभाई है। इन उद्यमियों ने इनोवेशन और प्रतिस्पर्धा की कसौटी पर अपने बेहतर क्षमताओं को साबित किया भी है। अब उन्हें इस बात के लिये प्रेरित करना होगा कि वे अब पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने में वैसी ही प्रतिबद्धता दर्शाएं। सही मायने में किसी भी समाज में असली समृद्धि तभी आ सकती है जब हमारी प्राथमिकताओं में जन-स्वास्थ्य पहले हो।

हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है।

पानी की मांग जायज है, लेकिन किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसकी जाति से नहीं, उसके कार्यों से होना चाहिए

पानी की लड़ाई में क्यों घुला जातिवाद ?

डॉ. प्रियंका सौरभ

पानी की समस्या को लेकर चल रहा आंदोलन एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रश्न को सामने लाता है। किसी भी नागरिक समाज में पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़े, यह अपने आप में शासन व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसलिए चैनत के ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाना पूरी तरह न्यायसंगत और लोकतांत्रिक अधिकारों के अनुरूप है। किंतु इसी आंदोलन के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियाँ सामने आईं, जिनमें एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के प्रति व्यक्तिगत और जातिगत आधार पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया।

हरियाणा के हांसी क्षेत्र के चैनत गाँव में पानी की समस्या को लेकर चल रहा आंदोलन एक महत्वपूर्ण सामाजिक और प्रशासनिक प्रश्न को सामने लाता है। किसी भी नागरिक समाज में पीने के पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता के लिए लोगों को सड़क पर उतरना पड़े, यह अपने आप में शासन व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसलिए चैनत के ग्रामीणों द्वारा अपनी समस्या को लेकर आवाज उठाना पूरी तरह न्यायसंगत और लोकतांत्रिक अधिकारों के अनुरूप है। किंतु इसी आंदोलन के दौरान कुछ ऐसी टिप्पणियाँ सामने आईं, जिनमें एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के प्रति व्यक्तिगत और जातिगत आधार पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। यह स्थिति हमें सोचने पर विवश करती है कि क्या किसी जायज़ मांग को मनवाने के लिए सामाजिक मर्यादा और संवैधानिक मूल्यों की सीमाएँ लांघी जा सकती हैं? भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अनेक अवसरों पर स्पष्ट किया है कि जीवन के अधिकार में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता भी शामिल है। यदि किसी गाँव में लोग पर्याप्त पानी से वंचित हैं, तो यह केवल एक स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि नागरिक अधिकारों और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय है। ग्रामीणों की पीड़ा वास्तविक है और उसका समाधान करना सरकार तथा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जल संकट केवल असुविधा नहीं पैदा करता, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। महिलाओं और बच्चों को अक्सर पानी की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त श्रम करना पड़ता है, जिससे उनकी दिनचर्या और अवसर प्रभावित होते हैं। भारत जैसे देश में जल संकट की समस्या नई नहीं है। बढ़ती जनसंख्या, भूमिगत जल का अत्यधिक दोहन, वर्षा के असमान वितरण, जल स्रोतों के संरक्षण की कमी और अव्यवस्थित शहरीकरण ने अनेक क्षेत्रों में जल संकट को गंभीर बनाया है। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य में यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है क्योंकि कृषि, घरेलू उपयोग और औद्योगिक आवश्यकताओं के बीच जल संसाधनों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में यदि किसी गाँव के लोग अपनी समस्या को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, तो उनकी बात सुनना और समाधान निकालना प्रशासन का दायित्व है। लोकतंत्र में विरोध और आंदोलन नागरिकों का वैध अधिकार है। जब जनता को लगता है कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा, तब वे ज्ञापन देते हैं, धरना-प्रदर्शन करते हैं और प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हैं। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की एक स्वस्थ प्रक्रिया है। लेकिन लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं है, यह जिम्मेदारियों का भी नाम है। विरोध का अधिकार उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि सामाजिक मर्यादा और पारस्परिक सम्मान बनाए रखना। यदि आंदोलन के दौरान भाषा की गरिमा

समाप्त हो जाए और व्यक्तिगत या जातिगत टिप्पणियाँ होने लगें, तो आंदोलन का नैतिक आधार कमजोर पड़ जाता है। किसी अधिकारी, जनप्रतिनिधि या सार्वजनिक व्यक्ति की आलोचना करना लोकतंत्र का हिस्सा है। लेकिन आलोचना का आधार उसके निर्णय, कार्यशैली और नीतियाँ होनी चाहिए। जब आलोचना व्यक्ति की जाति, पहनावे, भाषा या सामाजिक पृष्ठभूमि पर केंद्रित हो जाती है, तब वह लोकतांत्रिक विमर्श नहीं रह जाती, बल्कि पूर्वाग्रह और भेदभाव का रूप ले लेती है। यह स्थिति न केवल संबंधित व्यक्ति को आहत करती है, बल्कि समाज में विभाजन और अविश्वास को भी बढ़ावा देती है। भारतीय संविधान की मूल भावना समानता पर आधारित है। संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जहाँ किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसकी जाति, धर्म, भाषा या जन्म के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी योग्यता और कर्म के आधार पर किया जाए। इसी उद्देश्य से संविधान में समानता का अधिकार दिया गया तथा अस्पृश्यता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए विशेष प्रावधान किए गए। इसके बावजूद आज भी समाज के अनेक हिस्सों में जातिगत सोच और पूर्वाग्रह मौजूद हैं। जब किसी अधिकारी या व्यक्ति के बारे में उसकी जाति के आधार पर टिप्पणी की जाती है, तो यह केवल एक व्यक्ति का अपमान नहीं होता, बल्कि संविधान की मूल भावना का भी अनादर होता है। यह समझना आवश्यक है कि किसी भी प्रशासनिक पद तक पहुँचने के पीछे वर्षों का कठिन परिश्रम और संघर्ष होता है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, राज्य प्रशासनिक सेवा या अन्य उच्च पदों पर चयनित होने वाले अधिकारी लंबी प्रतियोगी प्रक्रिया से गुजरते हैं। वे कठिन परीक्षाएँ उत्तीर्ण करते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं और सार्वजनिक सेवा के लिए स्वयं को तैयार करते हैं। इसलिए किसी अधिकारी का मूल्यांकन उसके सामाजिक या जातिगत परिचय से नहीं, बल्कि उसके कार्य और प्रदर्शन से होना चाहिए। सार्वजनिक जीवन में गरिमा का महत्व अत्यंत बड़ा है। यदि समाज में यह प्रवृत्ति बढ़ने लगे कि किसी व्यक्ति की आलोचना उसके जन्मगत आधारों पर की जाए, तो इससे लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता प्रभावित होती है। ऐसी स्थिति में योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी सार्वजनिक जीवन में आने से हिचक सकते हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास भी कमजोर पड़ सकता है। यह भी उतना ही सत्य है कि प्रशासन को जनता की भावनाओं और समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। कई बार समस्याओं के समाधान में देरी या संवाद की कमी के कारण लोगों में असंतोष बढ़ता है। इसलिए प्रशासन की जिम्मेदारी केवल आदेश जारी करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उसे लोगों से संवाद स्थापित करना चाहिए, उनकी शिकायतों को सुनना चाहिए और समाधान की दिशा में पारदर्शी प्रयास करने चाहिए। यदि ग्रामीणों को यह महसूस होगा कि उनकी बात सुनी जा रही है और समाधान के लिए ईमानदार प्रयास हो रहे हैं, तो तनाव और टकराव की स्थिति भी कम होगी। चैनत के मामले में भी आवश्यक है कि प्रशासन और ग्रामीण आमने-सामने खड़े होने के बजाय संवाद की प्रक्रिया को मजबूत करें। जल संकट जैसी समस्या का समाधान केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं निकल सकता। इसके लिए प्रशासनिक इच्छाशक्ति, तकनीकी योजना और सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता है। तत्काल राहत के रूप में जल टैंकरों की व्यवस्था, अतिरिक्त जल आपूर्ति और अस्थायी समाधान किए जा सकते हैं। लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए जल स्रोतों का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार, जल भंडारण क्षमता में वृद्धि और भूजल पुनर्भरण जैसे उपाय आवश्यक हैं। ग्रामीण समुदाय की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। समाज को भी जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संचयन और स्थानीय जल स्रोतों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यदि समुदाय और प्रशासन मिलकर काम करें, तो जल संकट जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव है। शिक्षा और सामाजिक जागरूकता भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और मीडिया को ऐसी सोच विकसित करनी चाहिए जो समानता, सम्मान और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा दे। जातिगत पूर्वाग्रहों को समाप्त करने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए सामाजिक चेतना का विकास भी आवश्यक है। जब तक समाज के भीतर मानसिक परिवर्तन नहीं होगा, तब तक समानता के संवैधानिक आदर्श पूरी तरह साकार नहीं हो पाएंगे। यदि किसी सार्वजनिक मंच पर जातिगत या अपमानजनक टिप्पणी की गई है, तो उसका समाधान भी संवैधानिक और कानूनी दायरे में होना चाहिए। लोकतंत्र में कानून का शासन सर्वोपरि है। किसी भी प्रकार के भेदभावपूर्ण या अपमानजनक व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जा सकता। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी घटनाओं का उपयोग मूल समस्या से ध्यान भटकाने के लिए न हो। पानी का संकट वास्तविक है और उसका समाधान प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि चैनत के आंदोलन को उसके मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए।

देश | दुनीया से

युद्धों का चेहरा बदलता अदना-सा ड्रोन

तेरहवीं सदी में इंग्लिश लॉन्गबो (एक किस्म का लंबा धनुष) खतरनाक हथियार के तौर पर उभरा। इसको 13वीं और 15वीं सदी के बीच इंग्लैंड की सैन्य ताकत के दबदबे का प्रतीक माना जाता है। मध्ययुगीन युद्धों में लड़ाई की तकनीक में भी यह एक बड़ा बदलाव लेकर आया—इंग्लैंड की सैन्य ताकत कवच धारी कुलीनों से हटकर आम लोगों से बने तीरंदाजों की भुजाओं में आ गई। यह बदलाव इतना अहम था कि एडवर्ड तृतीय ने शाही फरमान जारी किया : '...प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति रविवार व छुट्टियों के दिन तीरंदाजी का अभ्यास करेगा, और अन्य सभी खेलों पर रोक होगी।' एजिनकोर्ट की लड़ाई (सन 1415) शायद इस शक्ति परिवर्तन की बेहतरीन मिसाल है, जिसमें लगभग 7,000 सैनिकों की (इनमें 5,000 तीरंदाज थे) की छोटी सी इंग्लिश सेना ने कवच से लैस घुड़सवार योद्धाओं वाली विशाल फ्रांसीसी सेना (जिसमें करीब 20,000 सैनिक थे) को हरा दिया। लॉन्गबो ने आम लोगों को सैन्य ताकत का अहम हिस्सा बना दिया और व्यापार व कारीगरी की पूरी इकॉनोमी को आगे बढ़ाया। शेक्सपियर ने अपने नाटकों में, एजिनकोर्ट की लड़ाई से पहले किंग हेनरी पंचम के संवादों से इस बदलाव को अमर बना दिया : 'हम कुछ लोग, चंद खुशकिस्मत लोग हैं, भाइयों से बना हमारा समूह है; जो कोई आज मेरे साथ अपना खून बहाएगा वह मेरा भाई होगा; चाहे वह कितने भी निम्न तबके से क्यों न हो, आज का दिन उसकी हैसियत ऊंचा उठाने वाला होगा।' वर्तमान में ड्रोन एक खतरनाक हथियार बन चुका है। यह आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को बदल रहा है, जिसमें, कहीं छोटे देश भी महाशक्तियों की सैन्य ताकत का मुकाबला कर रहे और धूल चटा रहे हैं। यह होते हमने रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका-इस्राइल-ईरान संघर्ष में देखा है। गोलियथ (विशालकाय योद्धा) का मुकाबला डेविड इसलिए कर पाया कि उसने पास नए मारक हथियार के रूप में गुलेल थी, आज वही गुलेल ड्रोन का रूप धर चुकी है। सस्ते और बड़े पैमाने पर बनने वाले ड्रोनों ने विशाल सेनाओं व जंगी बेड़ों का मुकाबला करने में कामयाबी हासिल की है। आइए रूस का

उदाहरण लें। रूस लंबे समय से यूक्रेन पर हमला करने और कब्जे में लेने की योजना बना रहा था। निरंतर अपना विस्तार कर रहे नाटो ने उसे ऐसा करने का बहाना दे दिया; नाटो ने यूक्रेन को सदस्य बनाकर, रूसी सीमाओं तक पहुंचकर उसके लिए खतरनाक बनना चाहा। रूसियों ने 'विशेष सैन्य अभियान' शुरू किया, जो कि दरअसल एक पूर्ण-स्तरीय हमला था। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने घोषणा की थी कि कुछ ही दिनों में यह अभियान पूरा हो जाएगा। टीवी पर बख्तरबंद गाड़ियों के काफिले यूक्रेन में घुसते देखे गए। हालांकि, उन्होंने दुश्मन को कमतर आंकने की बड़ी गलती की। यूक्रेन को अमेरिका और नाटो का समर्थन मिला, खासकर हथियार, गोला-बारूद और खुफिया जानकारी के मामले में। धीरे-धीरे रूसी सेना मुश्किलों में फंसती गई। यूक्रेन ने शनैः-शनैः विशाल रूसी सेना की बढ़त रोक दी। 'द हिंदू' के हालिया लेख में कहा गया : 'यूक्रेन ने आम ड्रोन, जो आम लोगों के इस्तेमाल के लिए बनाए गए थे, को तेजी से जासूसी और हमलावर प्रणाली में बदल दिया। जो फौरन निर्णायक युद्ध क्षमता में बदल गई, क्योंकि छोटे क्वाडकॉप्टर और फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन को हथियारों से लैस कर कम लागत वाली किंतु सटीक निशाना लगाने वाली हथियार प्रणाली के तौर पर प्रयोग किया।' ड्रोन तबाही मचाने वाले सक्रिय हथियार बन गए और 2024 तक, यूक्रेनी सेना की लगभग हर टुकड़ी उससे लैस हो गई। तब से ड्रोन का विकास बहुत तेज़ी से हुआ। ड्रोन ने युद्ध की दिशा-दशा बदल दी; बचाव की मुद्रा में रहने के बजाय, यूक्रेन अब रूस के गहरे अंदर तक हमले कर रहा। 'तीन दिन' का अभियान ऐसे युद्ध में बदल गया है, जो अब पांचवें साल में है। इस संदर्भ में ईरान के साथ अमेरिका-इस्राइल युद्ध का ज़िक्र करना भी ज़रूरी है। अमेरिकियों ने खाड़ी क्षेत्र में विशाल सैन्य बेड़े भेजे, सैनिक जमा किए और अपनी ताकतवर वायु सेना को तैनात किया, साथ ही ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। इसके बाद, इस्राइल संग मिलकर हवाई हमले किए और ईरान के आध्यात्मिक, सैन्य और खुफिया नेतृत्व को खत्म कर दिया, और ईरान को दुनिया के नक्शे से मिटाने तक की धमकी दी। अमेरिका ने ईरानियों की सभ्यतागत जीवट और इतिहास, तथा लाखों ड्रोन और मिसाइलें बनाने में उनकी तरक्की, उनके दूसरे एवं तीसरे स्तर के उनके नेतृत्व, और रणनीतिक व सामरिक सूझबूझ को अनदेखा किया—अहंकार और गलतियों ने फिर एक महाशक्ति को मात दे दी। ईरानियों ने ड्रोन और मिसाइलों से खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों और अमेरिकी सहयोगियों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए। इस्राइल पर भी ऐसे हथियारों से लगातार हमले किए। व्यापारिक जहाजरानी पर ड्रोन व मिसाइल हमलों के भय का इस्तेमाल कर होर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद कर देना, रणनीतिक मास्टरस्ट्रोक रहा; इसने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया। पुनः, एक प्रतिबद्ध सेना के हाथ में बड़ी संख्या में आम ड्रोनों ने क्षमता से कहीं ज़्यादा असर दिखाया और एक महाशक्ति व उसके सैन्य तंत्र को ठप कर डाला। जैसे-जैसे ड्रोन से शक्ल पाकर 'अनघड़ लड़ाई' युद्धक्षेत्र का स्वरूप बदल रही है, इतिहास में इस किस्म की उथलपुथल से आगे चलकर राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन होते आए हैं। अंग्रेज़ों का 'लॉन्गबो' इसका उदाहरण था। इतिहास में ऐसे अन्य उदाहरण भी हैं।

आप का | नजरीया

टेलीग्राम पर बैन

मई महीने में नीट प्रवेश परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद केंद्र सरकार अति-सतर्कता के मूड में नजर आ रही है। लीक प्रकरण के पश्चात निशाने पर आने के बाद सरकार कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। इसी कड़ी में चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगाम लगाने के निर्णय को लेकर विवाद अदालत के दरवाजे तक जा पहुंचा है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये संघर्ष कर रही है। हकीकत यह है कि मई में प्रश्नपत्र लीक होने से मची अफरातफरी और विपक्ष के नेताओं के निशाने पर आने के बाद केंद्र सरकार कोई जोखिम लेने को तैयार नहीं है। निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुनःपरीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दर्शाता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। निस्संदेह, यदि किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा ऐप विशेष के दुरुपयोग की वजह से, उसके असली यूजर्स को परेशानी होती है तो इससे देश में गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के पैरोकार दलील दे रहे हैं कि अगर किसी बड़ी परीक्षा हेतु टेलीग्राम की सेवाएं सस्पेंड की जा सकती हैं तो भविष्य में किसी अन्य मुद्दे पर दूसरे ऐप के विरुद्ध कार्रवाई को भी तार्किक ठहराया जा सकता है। फिर सत्ताधीशों को किसी अन्य ऐप पर अंकुश लगाने का अवसर बार-बार मिल सकता है। सरकारें कानून-व्यवस्था को खतरा बता कर, कार्रवाइयों को जायज ठहरा सकती हैं। तभी मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचने पर अदालत ने पूछा है कि 150 मिलियन यूजर्स के अधिकारों में कटौती कैसे की जा सकती है? आलोचक सरकार के रवैये को सिस्टम की विफलता बता रहे हैं। दलील है कि कोई भी प्रश्न पत्र तभी लीक होता हैं, जब परीक्षा से जुड़े कुछ अंदरूनी लोग नकल कराने वाले गिरोहों से मिल जाते हैं। साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि टेलीग्राम को ब्लॉक करने से समस्या खत्म नहीं होती है। इस प्रतिबंध के बाद यूजर्स आसानी से वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क या दूसरे ऐप्स का सहारा ले सकते हैं। निस्संदेह, टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग गलत कामों को अंजाम देने के लिये किया जा सकता है, लेकिन इसकी वजह से तकनीक की उपादेयता को खारिज नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर देश के दूर-दराज के इलाकों में प्रश्न-पत्रों को सुरक्षित पहुंचाने के लिये भारतीय वायु सेना को तैनात करने को एक सख्त कदम के रूप में देखा जा रहा है। जो सुरक्षा व्यवस्था को फुलप्रुफ बनाने की कवायद के रूप ध्यान तो खींचता है, लेकिन किसी स्थायी समाधान का विकल्प नहीं बन सकता। निस्संदेह, पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था और छात्रों का भरोसा जीतने के लिये सरकार द्वारा पूरी परीक्षा प्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन कराने की आवश्यकता महसूस की जा रही है। किसी भी सरकार के लिये यही बेहतर होगा कि वह अपनी आपातकालीन शक्तियों का उपयोग बेहद पारदर्शी तरीके से और कम से कम करे।

निस्संदेह, इस परीक्षा में आयोजक एजेंसियों की विश्वसनीयता और बीस लाख से ज्यादा प्रतिभागियों का भविष्य दांव पर लगा है। यही वजह है कि राष्ट्रीय महत्व की परीक्षाओं को लेकर नीट और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एटीए द्वारा परीक्षार्थियों का भरोसा फिर से कायम करने की कवायद पर पूरा जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रविवार को होने वाली नीट की पुन:परीक्षा से ठीक पहले, सरकार का चर्चित मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर कुछ अवधि के लिये प्रतिबंध लगाना, अति सतर्कता को ही दर्शाता है। सरकार के इस अतिरेक सावधानी वाले रवैये को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने अपने इस कदम का पुरजोर बचाव किया है। सरकार की दलील है कि इस क्लाउड-बेस्ड प्लेटफॉर्म का बॉट इंफ्रास्ट्रक्चर लीक हुई सामग्री का तेजी से बड़े पैमाने पर प्रसार करने में मददगार हो सकता है। वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या मे देशवासियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पूरे प्लेटफॉर्म को कुछ दिनों के लिये ब्लॉक करने से आनुपातिकता और प्रक्रिया को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। लोगों का मानना है कि सतर्कता, सावधानी और तंत्र में सुधार कर समस्या का समाधान निकाला जा सकता है। निस्संदेह, यदि किसी आपराधिक नेटवर्क द्वारा ऐप विशेष के दुरुपयोग की वजह से, उसके असली यूजर्स को परेशानी होती है तो इससे देश में गलत परंपरा की शुरुआत हो सकती है।

कुछ | अलग

धैर्य से सफलता

प्रसिद्ध इतिहासकार थॉमस कार्लाइल कई वर्षों से दी फ्रेंच रेवोल्यूशन नामक पुस्तक लिख रहे थे। वर्षों की मेहनत के बाद उन्होंने उसका पहला मसौदा तैयार किया और अपने मित्र को पढ़ने के लिए दे दिया। कुछ दिनों बाद मित्र ने दुखी होकर बताया कि उनके घर की नौकरानी ने उन कागजों को बेकार समझ कर अधिकांश पांडुलिपि जला दी है। यह सुनकर कार्लाइल टूट गए। वर्षों की मेहनत राख हो चुकी थी। कई दिनों तक वे निराश रहे। एक दिन टहलते समय उनकी नज़र एक मजदूर पर पड़ी जो धैर्यपूर्वक एक-एक ईंट जोड़कर दीवार बना रहा था। अचानक कार्लाइल के मन में विचार आया, 'यह दीवार भी एक-एक ईंट से बनी है। मेरी पुस्तक भी

एक-एक पृष्ठ लिखकर तैयार हुई थी। यदि मैं इसे एक बार लिख सकता हूं, तो दोबारा भी लिख सकता हूं।' वे तुरंत घर लौटे और फिर से लिखना शुरू कर दिया। महीनों की मेहनत के बाद पुस्तक पुनः तैयार हुई और प्रकाशित होने पर उसे व्यापक सराहना मिली। उस दिन कार्लाइल ने सीखा कि जीवन में सफलता प्रतिभा से नहीं, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में दोबारा खड़े होने के साहस से मिलती है। बड़ी से बड़ी उपलब्धि भी एक छोटे कदम से शुरू होती है, और बड़ी से बड़ी हानि के बाद भी नई शुरुआत की जा सकती है।

दृष्टि | कोण

युवाओं को जीवटता से जीने की मिले सीख

आज देश के लाखों परिवार अपने बच्चों की सफलता के सपने कोचिंग संस्थानों के भरोसे बुन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने की आकांक्षा में किशोर उम्र से ही बच्चे ऐसी प्रतिस्पर्धा में उतर जाते हैं, जहां हर परीक्षा भविष्य का फैसला और हर रैंक पहचान का पैमाना बन जाती है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं ने कोचिंग संस्कृति को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। लेकिन इस चमकदार सफलता के पीछे एक दूसरा सच भी छिपा है, जिसमें बढ़ता मानसिक दबाव, सिमटता बचपन और अंकों तक सीमित होती शिक्षा शामिल है। तो क्या हम युवाओं को जीवन के लिए शिक्षित कर रहे हैं या केवल परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहे हैं? भारत दुनिया के सबसे अधिक युवाओं वाले देशों में शामिल है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर देती है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है। हर वर्ष करोड़ों युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। वर्ष 2025 में जेईई मेन परीक्षा में करीब 15 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि आईआईटी में सीटें लगभग 20 हजार हैं। इसी प्रकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों की एक लाख से कम सीटों के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने नीट यूजी परीक्षा दी। ये आंकड़े बताते हैं कि प्रतियोगिता अब केवल कठिन नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र और तनावपूर्ण हो चुकी है। विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और प्रयागराज जैसे शहर प्रमुख कोचिंग केंद्र बन गए हैं। हजारों विद्यार्थी घरों से दूर रहकर तैयारी करते हैं और अनेक परिवार अपनी बचत का बड़ा हिस्सा इस पर खर्च कर देते हैं। शिक्षा अब ऐसा निवेश बनती जा रही है, जिसके बदले सफलता की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती। कोचिंग संस्थानों ने अनेक विद्यार्थियों को

गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया है। छोटे शहरों के कई छात्रों ने इनके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। लेकिन इसके साथ डमी एडमिशन जैसी प्रवृत्ति भी बढ़ी है। अनेक विद्यार्थी केवल औपचारिक रूप से स्कूलों में दाखिला ले लेते हैं और उनका अधिकांश समय कोचिंग संस्थानों में बीतता है। इससे खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं। इस पूरी व्यवस्था का सबसे गंभीर असर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देता है। नियमित टेस्ट, रैंकिंग, प्रदर्शन की तुलना और लगातार बेहतर करने का दबाव बच्चों को मानसिक रूप से थका देता है। असफलता का भय उन्हें चिंता, तनाव और अवसाद की ओर धकेलता है। कई विद्यार्थियों को यह महसूस होने लगता है कि उनका पूरा भविष्य एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सफलता की यह दौड़ कई बार युवाओं के लिए असहनीय बोझ बन जाती है। हालांकि इस स्थिति के लिए केवल कोचिंग संस्थानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अधिकांश माता-पिता बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार उनकी अपेक्षाएं अनजाने में दबाव का कारण बन जाती हैं। हमारे समाज में आज भी डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के बजाय सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप करियर चुनने के लिए विवश हो जाते हैं। वास्तविकता यह है कि नई अर्थव्यवस्था ने अवसरों के अनेक नए द्वार खोले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से संभावनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। कोचिंग संस्कृति का बढ़ता प्रभाव हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि स्कूल विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और तार्किक समझ प्रदान कर पा रहे होते, तो कोचिंग की आवश्यकता इतनी व्यापक नहीं होती।

ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम में राज्य मंत्री व मंडलायुक्त ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया योग का शुभारम्भ

फररुखाबाद,(हि.स.)। उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जनपद में स्वर्गीय ब्रह्मदत्त द्विवेदी स्टेडियम में विश्व योग दिवस का शुभारम्भ राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर कानपुर कमिश्नर, कार्यक्रम में जिला अधिकारी डॉक्टर अंकुर लाठर और पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, भाजपा सांसद मुकेश राजपूत, विधायक सुरभि गंगवार सहित अन्य लोग शामिल हुए। योग दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचीं उत्तर प्रदेश सरकार में महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि आज 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस है। हम लोग अपने तन और मन को स्वस्थ बनाने के लिए योग को अपनाएं और 365 दिन योग करें। अपने जीवन का अंग बनाएं। 177

देश में आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। मंडलायुक्त कानपुर मंडल के विजयेंद्र पांडियन ने कहा कि आज का दिन 21 जून दुनिया में सबसे लंबा दिनों में गिना जाता है। योग दिवस को सोच समझकर आज के दिन 21 जून को रखा गया है। आज का दिन योगा फॉर हेल्दी। जो जनसंख्या बढ़ती जा रही है, साथ-साथ बुजुर्ग की तरफ से भी जनसंख्या बढ़ती जा रही है। उसी की वजह से आज सरकार के ऊपर बोझ है। हेल्थ सिस्टम के ऊपर बोझ है। इसका उपाय हम लोगों के पास हजारों साल पहले से था। पतंजलि के बारे में आप सभी जानते ही होंगे। पतंजलि ने काफी सरल योगाभ्यास हम लोगों के लिए दिए हैं। जिसे बच्चों से लेकर 90 साल तक का बुजुर्ग आसानी से कर सकता है।

जिसके पास योग से तपा शरीर है वहां रोग और बुढापा नहीं होते : योगी आदित्यनाथ

झांसी, (हि.स.)। झांसी प्रवास के दूसरे दिन 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक झांसी किले की तलहटी में आयोजित भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हजारों लोगों के साथ योगाभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने योग को स्वस्थ और संतुलित जीवन का आधार बताते हुए सभी से इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित रखने की भारतीय परंपरा है। उन्होंने कहा, ह्रहमें नियमित योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। जिसके पास योग से तपा हुआ शरीर है, वहां न रोग होता है और न ही बुढ़ापा जल्दी आता है। इन समस्याओं से बचने के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने सूर्य की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सूर्य हम सभी की जीवंतता और ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है। वर्ष में दो बार होने वाले दुर्गा अनुष्ठान भी ऊर्जा साधना के महत्वपूर्ण काल होते हैं। उन्होंने कहा कि योग दिवस का उद्देश्य सूर्य की ऊर्जा को आत्मसात कर जीवन को नई दिशा देना है। योग की परंपरा आदि योगी भगवान शिव के समय से चली आ रही है और यह भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में योग

को वैश्विक पहचान मिली है। आज पूरी दुनिया योग को अपनाकर स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हो रही है। इससे भारत की संस्कृति, परंपरा और विरासत को विश्व मंच पर सम्मान मिला है तथा 140 करोड़ भारतीयों का गौरव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। इस दौरान सुबह 6 से 8 बजे तक उन्होंने लोगों के साथ योग के विभिन्न आसनों का अभ्यास भी किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति मानवेंद्र सिंह, आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, सांसद अनुराग शर्मा, विधायक रवि शर्मा, एमएलसी रमा निरंजन, रामतीर्थ सिंघल, विधायक राजीव सिंह परीछा, भाजपा के दोनों जिलाध्यक्ष सहित अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। हालांकि मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में अधिकांश जनप्रतिनिधियों का नाम लिया, लेकिन एक एमएलसी का नाम उल्लेखित न होने की चर्चा कार्यक्रम के बाद राजनीतिक हलकों में होती रही। झांसी किले में आयोजित इस योग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, युवाओं और महिलाओं ने भी भाग लिया तथा योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

सोनभद्र में 257 करोड़ रुपये की लागत से बिछेगा 86 किमी लंबी सड़कों का जाल

सोनभद्र, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य सोनभद्र जिले के पिछड़ापने की पहचान को खत्म कर विकसित व सुव्यवस्थित जिला बनाने के क्रम में योगी सरकार ने जिले में 257 करोड़ रुपए से 86 किलोमीटर की सड़कों का जाल बिछाने का निर्णय लिया है। सड़क निर्माण के संबंध में जल्द ही सर्वे व टेंडर प्रक्रिया संपन्न कराने के साथ ही सड़क निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगा। इन सड़कों के बन जाने से चार राज्यों की सीमा से घिरे सोनभद्र की दूसरे जनपदों व राज्यों से कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई का समय और लागत बहुत कम हो जाएगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने सोनभद्र जिले में निवेश अनुकूल माहौल बनाया। जिसके बाद बड़ी कंपनियों ने जिले में निवेश कर रही है। जनपद में विकास कार्य भी तेजी से चल रहे हैं। इसी कड़ी में

जिले में लगभग 86 किमी. की छह सड़कों का निर्माण लगभग 257 करोड़ रुपये की लागत से कराने के लिए जल्द ही सर्वे व टेंडर प्रक्रिया संपन्न कराने के साथ ही सड़क निर्माण कार्य जल्द ही शुरू कराया जाएगा। इन सड़कों के बन जाने से चार राज्यों की सीमा से घिरे सोनभद्र की दूसरे जनपदों व राज्यों से कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी से उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की ढुलाई का समय और लागत बहुत कम हो जाएगी। जिलाधिकारी चर्चित गोड़ ने बताया की प्रस्तावित छह सड़कों में सलैयाडीह से खरौंदी तक दो लेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा । 15.84 किमी की सड़क के निर्माण की अनुमानित लागत 61.65 करोड़ रुपये है। इसी तरह बखिरवा से स्वागत गेट बीजपुर तक 20.17 किमी. दो लेन सड़क के निर्माण में 49 करोड़ रुपये खर्च आने का अनुमान है। औडी मोड़ अनपरा से शक्ति नगर तक 18.42 किमी की चार लेन सड़क के निर्माण में 55.72 करोड़ रुपये खर्च होंगे। औडी मोड़ अनपरा से मध्य प्रदेश के मिचार्धूरी रेलवे स्टेशन तक 12.15 किमी. डेढ़ लेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जिस पर 24.70 करोड़ रुपये व्यय होने का अनुमान है। जिलाधिकारी ने बताया कि नधिरा से बखिरवा तक 10 किमी. सड़क के निर्माण में 1.60 करोड़ रुपये व डिब्लूगंज से जोगेनदरा तक 10 किमी. सड़क निर्माण कराया जाएगा जिस पर लगभग 64.50 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

मुंडन संस्कार से पहले मातम, विवाहिता की मौत से उठे कई सवाल

मीरजापुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में पड़री थाना क्षेत्र के बरजी मुकुंदपुर गांव में विवाहिता गुड़िया (24)की संदिग्ध परिस्थितियों में बीती रात शनिवार को मौत हो गई। घटना को लेकर मायके और ससुराल पक्ष के अलग-अलग दावों के बीच मामला उलझ गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। ससुराल पक्ष का कहना है कि शनिवार रात करीब 11:30 बजे गुड़िया बाथरूम गई थी। इसी दौरान उसे चक्कर आया और वह गिर गई। परिजन तत्काल उसे अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। उनका दावा है कि गुड़िया को पहले भी बेहोशी की शिकायत रहती थी और यह एक दुर्घटना है। वहीं मायके पक्ष ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। परिजन का आरोप है कि विवाह के बाद से ही बेटी गुड़िया को ससुरालीजन प्रताड़ित करते थे और पैसों को लेकर दबाव बनाया जाता था। उनका कहना है कि शनिवार शाम ससुराल से फोन आया था और देर रात सूचना दी गई कि बेटी गुड़िया ने फांसी लगा ली है। मौके पर

पहुंचने पर उन्होंने नाक और मुंह से खून निकलता देखा, जबकि पति नशे की हालत में था। मायके पक्ष ने पुलिस पर भी शुरुआती स्तर पर मामले को हादसा बताकर दबाने का आरोप लगाया है। हालांकि क्षेत्राधिकारी सदर के हस्तक्षेप के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। बताया जाता है कि मृतका का पति दिनेश बेंगलुरु में निजी नौकरी करता है और एक सप्ताह पहले ही गांव आया था। रविवार (21 जून) को वाराणसी के लोलार्क कुंड में उनकी नौ माह की पुत्री का मुंडन संस्कार होना था, लेकिन उससे पहले ही घर में मातम छा गया। थानाध्यक्ष पड़री प्रदीप सिंह का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक विचित्र पहल सेवा समिति ने बैठक कर प्रभु जगन्नाथ शोभायात्रा की तैयारियों पर किया मंथन

1 जुलाई से जिला अस्पताल में मरीजों को मिलेगा निःशुल्क जलपान, स्वास्थ्य जांच सेवा भी होगी शुरू

औरैया, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समाजसेवी संगठन एक विचित्र पहल सेवा समिति की आवश्यक बैठक रविवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में समिति के अध्यक्ष राजीव पोरवाल (रानू) की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महिला शाखा सखी ग्रुप द्वारा आगामी 16 जुलाई को आयोजित होने वाली प्रभु जगन्नाथ जी की भव्य शोभायात्रा एवं नगर भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। समिति अध्यक्ष राजीव पोरवाल ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रभु जगन्नाथ शोभायात्रा 16 जुलाई को गाजे-बाजे एवं धार्मिक उल्लास के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी। शोभायात्रा को लेकर समिति के सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में समिति द्वारा एक अनूठी सामाजिक पहल की भी घोषणा की गई। इसके अंतर्गत आगामी 1 जुलाई 2026 से 50 सैया जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को प्रतिदिन प्रातः 7 बजे चाय, दूध, बिस्किट, ब्रेड आदि का निःशुल्क जलपान कराया जाएगा।

इसके साथ ही अटल आश्रय गृह, औरैया के सामने स्थित समिति के सदस्यों के निवास पर प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 10 बजे तक ब्लड प्रेशर, मधुमेह एवं ब्लड शुगर सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांचें निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इस सेवा कार्यक्रम का मुख्य संयोजक पुरुष जिला चिकित्सालय उरई से 30 जून को सेवानिवृत्त होने वाले वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. शिवकुमार सोनी को बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मरीजों की सेवा का सपना अब धरातल पर उतारते हुए समाजहित में निरंतर कार्य किया जाएगा। बैठक के उपरांत समिति द्वारा संचालित जीवनधारा पौधारोपण अभियान के अंतर्गत डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान का लक्ष्य 5100 पौधे रोपित करने का रखा गया है। कार्यक्रम के संयोजक सोनू यादव की देखरेख में समिति सदस्यों ने अशोक, रबर प्लांट, चितवन, हरसिंगार, पकड़िया, चांदनी, आंवला एवं गुड़हल सहित विभिन्न पौधों का रोपण किया। साथ ही पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी पार्क के आसपास रहने वाले लोगों को सौंपी गई। समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक भगवान पोरवाल, अनिल कुमार सोनी, तिलक इंटर कॉलेज के प्रवक्ता डॉ. उपेंद्रनाथ मिश्रा, डॉ. शिवकुमार सोनी, आदित्य पोरवाल, एल.एन. गुप्ता, सौरभ यादव, हिमांशु दुबे, रामचंद्र सोनी, अरविंद कुमार एवं सतीश पोरवाल सहित अनेक पर्यावरण प्रेमी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

कुख्यात उग्रवादी श्रवण गिरफ्तार, फरार होने की कोशिश में पुलिस की गोली से घायल

खूंटी, (हि.स.)। झारखंड के खूंटी जिले में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर श्रवण दास को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से अवैध हथियार, कारतूस, संगठन से जुड़े दस्तावेज, प्रचार सामग्री और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, हथियारों की बरामदगी के लिए ले जाने के दौरान उसने भागने का प्रयास किया और पुलिस दल पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। वर्तमान में उसका इलाज रांची के रिम्स अस्पताल में चल रहा है। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने रविवार को जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य श्रवण दास अपने कुछ सहयोगियों के साथ क्षेत्र में किसी बड़ी उग्रवादी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया और संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ा दी। एसपी ने बताया कि तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर श्रवण दास और उसके साथियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कारतूस बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में श्रवण दास ने स्वीकार किया कि उसने संगठन के उपयोग के लिए कुछ अतिरिक्त हथियार और गोला-बारूद विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखे हैं। इसके बाद पुलिस टीम उसे उसकी निशानदेही पर हथियारों की बरामदगी के लिए जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन जंगल लेकर गई। वहां से छिपाकर रखे गए हथियारों और अन्य सामग्री को बरामद किया गया। इसी दौरान श्रवण दास ने मौके का फायदा उठाकर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार भागने के क्रम में उसने एक सब-इंस्पेक्टर की सरकारी पिस्तौल छीन ली और पुलिस दल पर गोली चला दी। अचानक हुई इस घटना से वहां तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। पुलिस ने पहले उसे आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उसके नहीं मानने और लगातार खतरा पैदा करने पर आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान श्रवण दास के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। पुलिस टीम ने तत्काल उसे अपने कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया और बाद में बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) भेज दिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस अभियान के दौरान कुल चार छोटे हथियार और 29 कारतूस बरामद किए गए हैं। बरामद कारतूसों में पिस्तौल और देसी कट्टे में इस्तेमाल होने वाली गोलियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पीएलएफआई संगठन से जुड़े पर्चे, प्रचार सामग्री और एक महत्वपूर्ण डायरी भी जब्त की गई है। पुलिस का मानना है कि बरामद दस्तावेज संगठन के नेटवर्क, वित्तीय गतिविधियों, लेवी वसूली तंत्र और सक्रिय सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं। एसपी ऋषभ गर्ग ने कहा कि श्रवण दास लंबे समय से खूंटी और आसपास के जिलों में सक्रिय था तथा संगठन की गतिविधियों को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा था। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कुख्यात उग्रवादी श्रवण गिरफ्तार, फरार होने की कोशिश में पुलिस की गोली से घायल

खूंटी, (हि.स.)। झारखंड के खूंटी जिले में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के एरिया कमांडर श्रवण दास को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके पास से अवैध हथियार, कारतूस, संगठन से जुड़े दस्तावेज, प्रचार सामग्री और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, हथियारों की बरामदगी के लिए ले जाने के दौरान उसने भागने का प्रयास किया और पुलिस दल पर फायरिंग कर दी, जिसके बाद हुई जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। वर्तमान में उसका इलाज रांची के रिम्स अस्पताल में चल रहा है। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने रविवार को जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन में आयोजित प्रेस वार्ता में पूरी कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य श्रवण दास अपने कुछ सहयोगियों के साथ क्षेत्र में किसी बड़ी उग्रवादी घटना को अंजाम देने की

योजना बना रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष छापेमारी दल का गठन किया और संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ा दी। एसपी ने बताया कि तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर श्रवण दास और उसके साथियों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से हथियार और कारतूस बरामद किए गए। प्रारंभिक पूछताछ में श्रवण दास ने स्वीकार किया कि उसने संगठन के उपयोग के लिए कुछ अतिरिक्त हथियार और गोला-बारूद विभिन्न स्थानों पर छिपाकर रखे हैं। इसके बाद पुलिस टीम उसे उसकी निशानदेही पर हथियारों की बरामदगी के लिए जरियागढ़ थाना क्षेत्र के इंदवन जंगल लेकर गई। वहां से छिपाकर रखे गए हथियारों और अन्य सामग्री को बरामद किया गया।

बकाया भुगतान दिलाने को लेकर 75 मजदूर पहुंचे पूर्व मंत्री के पास

पूर्वी सिंहभूम,(हि.स.)। पूर्वी सिंहभूम जिले के पटमदा प्रखंड अंतर्गत कुमीर पंचायत के लगभग 75 मजदूरों का बकाया भुगतान नहीं होने का मामला रविवार को जमशेदपुर स्थित पूर्व मंत्री सह भाजपा नेता दुलाल भुईयां के भुईयाडीह स्थित आवासीय कार्यालय पहुंचा। मजदूरों ने सामूहिक रूप से दुलाल भुईयां से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया और जल्द भुगतान कराने की मांग की। मजदूरों ने बताया कि कार्य करने के बावजूद उन्हें अब तक मेहनताना नहीं मिला है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। भुगतान नहीं मिलने के कारण मजदूरों और उनके परिवारों को दैनिक जरूरतों की पूर्ति में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दुलाल भुईयां ने तत्काल संबंधित ठेकेदार रविंद्र गुप्ता, जो डिमना के निवासी हैं, से दूरभाष पर बातचीत की।

बातचीत के दौरान ठेकेदार रविंद्र गुप्ता ने दो दिनों के भीतर सभी मजदूरों का बकाया भुगतान करने का आश्वासन दिया। इस संबंध में पैटीदार बिनोद गोराई का भी नाम सामने आया है। मजदूरों के प्रतिनिधियों ने उम्मीद जताई कि निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका भुगतान कर दिया जाएगा। दुलाल भुईयां ने भी मजदूरों को भरोसा दिलाया कि यदि तय समय में भुगतान नहीं किया गया तो मामले को आगे उठाकर मजदूरों को न्याय दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान मजदूरों में फूलचंद महतो, सूर्या सहिस, राजीव कुमार महतो, लालचंद महाली, जागरण कालिंदी, रतिलाल कालिंदी और विजय कालिंदी सहित अन्य मजदूर मौजूद थे। बैठक में झारखंड मजदूर यूनियन के मजदूर नेता कमल राम यादव, कुंज बिभार, मन्नू मंडल, जोलेश भुईयां, सदानंद टोपनो सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

सारण पुलिस लाइन में प्रशिक्षु सिपाहियों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

सारण, (हि.स.)। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन केंद्र के सिपाही प्रशिक्षण केंद्र में 2025 बैच के प्रशिक्षु सिपाहियों के लिए दीक्षान्त परेड समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण पूरा कर चुके नव नियुक्त सिपाहियों ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कर्तव्य पालन की शपथ ली। समारोह में सारण प्रमंडल के पुलिस उप महानिरीक्षक निलेश कुमार और वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार उपस्थित रहे। इनकी उपस्थिति में मुख्य मंच से प्रशिक्षु सिपाहियों को पद और गोपनीयता के साथ-साथ पुलिस नियमावली के अक्षरशः पालन करने की शपथ दिलाई गई। रंग-बिरंगे गुब्बारों से सजे मैदान में आयोजित इस दीक्षांत समारोह के दौरान सभी प्रशिक्षु सिपाही पूरी अनुशासित वर्दी में कतारबद्ध नजर आए। मंच से अधिकारियों द्वारा बोले गए वचनों को दोहराते हुए जवानों ने कहा मैं शपथ लेता हूँ कि मुझे आचार नियमावली में

पुलिसकर्मी का जो कर्तव्य एवं दायित्व है, वो मुझे समझा दिए गए हैं और मैं उन्हें स्वीकार करता हूँ। मैं शपथ लेता हूँ कि सरकार और अपने वरीय तथा साथ काम करने वाले पुलिसकर्मियों का विश्वास पात्र बना रहूँगा तथा मैं अपने कर्तव्य का पालन ईमानदारी, परिश्रम, हर्ष एवं नम्रता के साथ करूँगा। समारोह के दौरान परेड की सलामी लेने के बाद डीआईजी निलेश कुमार और एसएसपी विनीत कुमार ने नए सिपाहियों को बधाई दी। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस का काम केवल कानून व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की मदद करना भी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कड़े प्रशिक्षण के बाद बल में शामिल हो रहे ये युवा सिपाही पुलिस की कार्यकुशलता और छवि को एक नया आयाम देंगे। समारोह के समापन पर परेड कमांडर और ध्वजवाहकों ने अत्यंत अनुशासित तरीके से मार्च पास्ट करते हुए वरीय अधिकारियों को सलामी दी। इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए कई जवानों के परिजन भी वहां मौजूद थे, जिन्होंने अपने बच्चों को राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित होते देखा।

जेवरात चोरी की जांच के दौरान पुलिस टीम पर हमला, होमगार्ड जवान घायल

सुपौल, (हि.स.)। जिले के त्रिवेणीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत पतरघटी वार्ड-5 में शनिवार को जेवरात चोरी मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में सब-इंस्पेक्टर (एसआई) विजय कुमार के साथ मारपीट की गई, जबकि उन्हें बचाने के प्रयास में होमगार्ड जवान तरुण कुमार यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड-18 निवासी राकेश भगत के घर से लगभग एक सप्ताह पूर्व जेवरात की चोरी हुई थी। आरोप है कि परिवार के ही एक सदस्य ने घर से गहने चोरी कर अपने कुछ साथियों के साथ बेच दिए और प्राप्त राशि खर्च कर दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। जांच के क्रम में पुलिस को पतरघटी निवासी अनिरुद्ध यादव के पुत्र आकाश कुमार की संलिप्तता की सूचना मिली। इसके बाद एसआई विजय कुमार पुलिस बल के साथ पूछताछ के लिए उसके घर पहुंचे। बताया जाता है कि जब पुलिस आकाश कुमार को पूछताछ के लिए थाने ले जाने लगी, तभी आकाश, उसके भाई आशीष कुमार तथा अन्य परिजनों ने पुलिस टीम का विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि विरोध के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया गया।

एसआई विजय कुमार के साथ मारपीट की गई और उन पर लोहे की रॉड से हमला करने का प्रयास किया गया। इस दौरान एसआई को बचाने पहुंचे होमगार्ड जवान तरुण कुमार यादव के सिर पर लोहे की रॉड लग गई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवान को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार किया गया। घायल होमगार्ड जवान तरुण कुमार यादव ने बताया कि एसआई पर दो बार लोहे की रॉड से वार किया गया। पहला वार उन्हें लगा, जबकि दूसरी बार एसआई को बचाने के दौरान रॉड उनके सिर पर लग गई, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। घटना के बाद पुलिस एक महिला को भी पूछताछ के लिए थाने लाई थी, जिसे बाद में छोड़ दिया गया। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उधर अनुमंडलीय अस्पताल त्रिवेणीगंज के चिकित्सक डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि घायल पुलिसकर्मी का प्राथमिक उपचार किया गया है। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं।

फेडरल रिजर्व में व्यापक बदलावों की नींव, 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य पर दृढ़ प्रतिबद्धता

कड़े संदेश से हिला बाजार, अपरिवर्तित दरों पर सख्त बयान

मुंबई

केविन वार्श के अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष के रूप में पहली फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक ने न केवल मौद्रिक नीति में सख्ती का संकेत दिया, बल्कि केंद्रीय बैंक के कामकाज में बड़े संरचनात्मक बदलावों की नींव भी रखी। हालांकि फेडरल फंड दरें 3.5-3.75 फीसदी पर अपरिवर्तित रहीं, 130 शब्दों का बेहद संक्षिप्त बयान और भविष्य के अनुमानों का अभाव उम्मीद से कहीं अधिक सख्त साबित हुआ। वित्तीय बाजारों को कुछ सख्ती की उम्मीद थी, लेकिन बयान के बाद शेयर और बान्ड दोनों बाजारों में गिरावट आई। एफओएमसी के वक्तव्य में स्पष्ट रूप से कहा गया कि मुद्रास्फीति दर फेड के 2 फीसदी के लक्ष्य से अभी भी अधिक है और समिति मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ है। इसके साथ जारी डाट प्लाट आर्थिक अनुमानों से पता चला कि 18 में से नौ सदस्य इस साल कम से कम 25 आधार अंकों की दर वृद्धि की उम्मीद करते हैं, जो वार्श के ज्ञात सख्त विचारों के अनुरूप हैं, हालांकि उन्होंने अपने अनुमान प्रस्तुत नहीं किए। बैठक के बाद अपनी पहली प्रेस कान्फ्रेंस में, वार्श ने फेड के संचार, बैलेंस शीट संरचना, डेटा स्रोतों, उत्पादकता और रोजगार, और मुद्रास्फीति ढांचे का अध्ययन करने के लिए पांच कार्य बलों के गठन की घोषणा की। यह कदम वार्श के इस विश्वास को दर्शाता है कि नीति निर्माताओं को कम संवाद करना चाहिए ताकि वे अपने ही शब्दों के कैदी न बन सकें, एक दर्शन जो वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से केंद्रीय बैंकों द्वारा अपनाई गई बढ़ती पारदर्शिता के विपरीत है। इन कार्य बलों की सिफारिशें और उनका कार्यान्वयन वैश्विक स्तर पर अन्य केंद्रीय बैंकों की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। इन बदलावों के बीच सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि वार्श ने मूल्य स्थिरता और 2 फीसदी मुद्रास्फीति लक्ष्य के प्रति फेड की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने अपने चिर-परिचित कथन मुद्रास्फीति एक विकल्प है को दोहराया, जिससे उन आशंकाओं को दूर किया गया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप के विचारों के अनुरूप मुद्रास्फीति पर नरम रुख अपना सकते हैं। आने वाले महीनों में ट्रंप की प्रतिक्रिया पर नजर रहेगी। इस साल के अंत में संभावित ब्याज दर वृद्धि वैश्विक वित्तीय स्थितियों को और सख्त कर सकती है, जिससे व्यापक आर्थिक परिणाम होंगे।

न्यूज ब्रीफ

अगली पीढ़ी की कार बनाने की तैयारी में किआ सानेट

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी किआ सानेट अब अपनी अगली पीढ़ी की कार बनाने की तैयारी में है। भारत की सड़कों पर हाल ही में इसके परीक्षण के दौरान देखे गए माडल से यह साफ हो गया है कि किआ अपनी स्थिति और मजबूत करने की तैयारी में है।सूत्रों के अनुसार यह वाहन वर्ष 2027 में भारतीय बाजार में प्रवेश कर सकता है। इस बार कंपनी केवल बाहरी डिजाइन में बदलाव तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि प्लेटफार्म, तकनीक, केबिन स्पेस और सुरक्षा के स्तर पर भी बड़े सुधार देखने को मिल सकते हैं। नई पीढ़ी की सानेट में एक पूरी तरह से नया डिजाइन देखने को मिलेगा, जिसमें ऊर्ध्वाधर शैली में लगाए गए मुख्य प्रकाश उपकरण और बूमरैंग जैसी आकृति वाले दिन में जलने वाले प्रकाश इसे अधिक आधुनिक स्वरूप प्रदान कर सकते हैं। इसके साथ ही एक प्रीमियम ग्रिल और मजबूत बंपर भी देखने को मिलेंगे। वाहन के साइड प्रोफाइल को अधिक मस्कुलर बनाया जा सकता है, और इसमें आगे और पीछे दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक मिलने की संभावना है। सबसे बड़ा बदलाव केबिन में देखने को मिल सकता है, जहां दो बड़ी 12.3 इंच की स्क्रीन का संयोजन दिया जा सकता है, जो ड्राइवर की जानकारी और मनोरंजन दोनों को संभालेगा। मौजूदा सानेट की पिछली सीट के सीमित स्थान की आलोचना को दूर करते हुए, नए प्लेटफार्म के उपयोग से व्हीलबेस बढ़ने और यात्रियों के लिए अधिक लेगरूम व आराम मिलने की उम्मीद है। सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, और किआ इसे भारत एन.सी.ए.पी. में पांच सितारा सुरक्षा रेटिंग दिलाने का प्रयास कर सकती है। साथ ही, उन्नत चालक सहायता प्रणालियों (ए.डी.ए.एस.) को भी शामिल किए जाने की संभावना है।

डिविडेंड बंपर: जून के अंतिम सप्ताह में 31 कंपनियां बांटेंगी लाभांश

नई दिल्ली। शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए जून 2026 का अंतिम सप्ताह वित्तीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है। इस दौरान देश की 31 प्रमुख कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का लाभ देने जा रही हैं, जो उनके मुनाफे का एक हिस्सा होता है। यह लाभांश निवेशकों के लिए अतिरिक्त आय का एक बड़ा स्रोत बन सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जिनकी नजर नियमित आय वाले शेयरों पर रहती है। सप्ताह की शुरुआत 22 जून से होगी, जब पैनासोनिक कार्बन इंडिया (12 रुपए), संगम इंडिया (2 रुपए) और डीएमआर इंजीनियरिंग (0.14 रुपए) डिविडेंड प्रदान करेंगी। इसके बाद 23 जून को एशियन पेंट्स (23 रुपए) और हिंदुस्तान यूनीलीवर (22 रुपए) समेत कई दिग्गज एक्स-डिविडेंड होंगी, जिनमें थायरोकेयर, टाटा पावर भी शामिल हैं। 24 जून को व्हील्स इंडिया और शंकरा बिल्ड्प्रो का नंबर है। 25 जून सबसे व्यस्त दिन रहेगा, जब 17 कंपनियां लाभांश के लिए एक्स-डेट पर होंगी। इनमें सुप्रीम इंडस्ट्रीज (25 रुपए) और भारतीय जीवन बीमा निगम (10 रुपए) प्रमुख है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, डिविडेंड का लाभ पाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड तिथि से पहले शेयर खरीदना अनिवार्य है। भारतीय शेयर बाजार में लागू टी प्लस वन सेटलमेंट व्यवस्था के चलते ये तिथियां अक्सर करीब होती हैं, अतः समय पर निवेश ही डिविडेंड से लाभ कमाने की कुंजी है।

कावासाकी ज़ेडएक्स-10आर पर मिल रहा भारी डिस्काउंट

नई दिल्ली। बाइक निर्माता कंपनी कावासाकी ने अपनी लोकप्रिय स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल, जेडएक्स-10आर पर भारी डिस्काउंट देने की घोषणा की है। डिस्काउंट की वजह से ग्राहकों के लिए इस दमदार सुपरबाइक को खरीदना काफी किफायती हो गया है। इस मोटरसाइकिल को खरीदने पर वर्तमान में अधिकतम 2.89 लाख रुपये तक की भारी बचत की जा सकती है, जो इसे स्पोर्ट्स बाइक प्रेमियों के लिए एक शानदार अवसर बनाती है। जेडएक्स-10आर में 999 सीसी का शक्तिशाली इनलाइन फोर इंजन दिया गया है, जो 202 बीएचपी की जबरदस्त पावर और 112 न्यूटन मीटर का टार्क जनरेट करता है। इस उच्च प्रदर्शन वाले इंजन को छह-स्पीड ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है, जो बेहतरीन राइडिंग अनुभव प्रदान करता है। फीचर्स के मामले में भी यह मोटरसाइकिल अत्याधुनिक है।

एआई-डीपफेक से बैंकिंग क्षेत्र में करोड़ों की सेंध, सुरक्षा प्रणालियों को चुनौती

साइबर अपराधी ओपन-सोर्स एआई माडलों से तैयार कर रहे वास्तविक दिखने वाली नकली पहचान

नई दिल्ली

भारत का बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआइ) क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित डीपफेक तकनीक के बढ़ते खतरे से जूझ रहा है। साइबर अपराधी इस उन्नत तकनीक का इस्तेमाल कर ऐसी वास्तविक दिखने वाली नकली पहचानें तैयार कर रहे हैं, जो वीडियो केवाईसी और लाइवलीनेस परीक्षण जैसी सुरक्षा प्रक्रियाओं को भी आसानी से भेद रही हैं, जिससे करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नई चुनौती वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, यह खतरा अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा है। कई वास्तविक मामलों में डीपफेक का उपयोग कर बड़ी वित्तीय धोखाधड़ी को अंजाम दिया जा चुका है। जानकारी के अनुसार, एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के साथ नकली बैंक स्टेटमेंट और डीपफेक वीडियो के जरिए 15 से 20 करोड़ रुपये तक की धोखाधड़ी की खबर है। तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि डीपफेक तैयार करने के उपकरण टेलीग्राम और डार्क वेब पर आसानी से उपलब्ध हैं, और इन्हें सामान्य गेमिंग कंप्यूटर पर भी कम लागत में चलाया जा सकता है, जिससे जालसाजों को संगठित होने में मदद मिल रही है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि ये डीपफेक लाइवलीनेस जांच को भी सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं, जो कैमरे के सामने मौजूद व्यक्ति की वास्तविकता सुनिश्चित करती है। यदि यह महत्वपूर्ण सुरक्षा परत विफल होती है, तो डिजिटल केवाईसी की विश्वसनीयता गंभीर रूप से प्रभावित होगी। इस खतरे को देखते हुए, भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चेतावनी जारी की है कि अपराधी सुरक्षा उपायों को भेदने के लिए एआई-आधारित तकनीकों का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में बैंकिंग क्षेत्र में 48,021 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 46% अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ आम नागरिकों को भी अपनी डिजिटल पहचान और उपकरणों की सुरक्षा के प्रति अत्यधिक सतर्क रहना होगा। यह खतरा अब केवल बैंकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि ई-कामर्स, सोशल मीडिया और आनलाइन डेटिंग प्लेटफार्म सहित कई अन्य क्षेत्रों में भी फैल रहा है।

टीवीएस रोनिन कान्सेप्ट ने खींचा बाइक प्रेमियों का ध्यान

नई दिल्ली। आटो प्रदर्शनी में प्रदर्शित की गई टीवीएस मोटर की संशोधित रोनिन कान्सेप्ट बाइक ने अपने अनोखे और आक्रामक डिजाइन से मोटरसाइकिल प्रेमियों का ध्यान खींचा था। इसकी तस्वीरें और डिजाइन वाहन प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। हालांकि कंपनी ने अभी तक इसके उत्पादन संस्करण की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यदि यह मोटरसाइकिल बाजार में आती है, तो क्या यह बड़ी सफलता हासिल कर पाएगी या फिर एक सीमित वर्ग तक ही सिमटकर रह जाएगी। संशोधित रोनिन का सबसे बड़ा आकर्षण इसका आकर्षक डिजाइन है, जिसमें काले, पीले और सुनहरे रंगों का संयोजन इसे पारंपरिक मोटरसाइकिलों से अलग पहचान देता है। इंजन के आसपास का ढका हुआ हिस्सा और रेसिंग प्रेरित स्वरूप इसे भविष्य की मोटरसाइकिल जैसा लुक देते हैं। इसकी स्पोर्ट-शैली की सीट, जो दो हिस्सों में विभाजित दिखाई देती है, प्रीमियम अपील देती है, हालांकि भारत में पीछे बैठने वाले यात्री की सुविधा एक चुनौती हो सकती है। मोटरसाइकिल में दिया गया गोल आकार का मीटर रेट्रो और आधुनिक शैली का मिश्रण है, जिसमें डिजिटल जानकारी और स्मार्टफोन कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल होने की उम्मीद है। समग्र आक्रामक स्वरूप, अनोखी हेडलाइट और पीले रंग का बड़ा ईंधन टैंक इसे सड़क पर एक विशिष्ट पहचान देने में सक्षम हैं।

केंद्र सरकार ने 16 एफडीसी दवाओं पर लगाया स्थयी प्रतिबंध

कई स्किन क्रीम और एंटीबायोटिक भी प्रतिबंध की सूची में शामिल

नई दिल्ली

देश में दवाओं की गुणवत्ता और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 16 फिक्स्ड डोज काम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर स्थायी प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, अब इन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर पूरी तरह रोक रहेगी।

सरकार का कहना है कि इन दवा संयोजनों का कोई ठोस चिकित्सीय आधार नहीं पाया गया और इनके इस्तेमाल से स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ सकते थे। वर्ष 2021 में शुरू हुई गहन जांच प्रक्रिया के बाद विशेषज्ञ उप-समिति ने विभिन्न वैज्ञानिक अध्ययनों और क्लीनिकल डेटा की समीक्षा की।

दवा कंपनियों को भी अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। विस्तृत परीक्षण और विचार-विमर्श के बाद समिति ने प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की, जिसे ड्रग टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड ने भी समर्थन दिया। प्रतिबंधित दवाओं में त्वचा संबंधी उत्पादों में उपयोग होने वाले कई काम्बिनेशन, जैसे एलो एक्सट्रैक्ट और विटामिन-ए के मिश्रण शामिल हैं, जिनके सुरक्षित विकल्प बाजार में उपलब्ध हैं।

इसके अलावा, अमाक्सिसिलिन और सेराटियोपेप्टिडेज जैसे कई एंटीबायोटिक काम्बिनेशन भी इसकी जद में आए हैं, जिन्हें पर्याप्त चिकित्सीय प्रमाणों के बिना बेचा जा रहा था।

पेट दर्द और ऐंठन के इलाज में इस्तेमाल होने वाले कुछ अतार्किक मिश्रणों को भी अनुपयोगी पाया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस प्रतिबंध से न केवल मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि दवाओं के जिम्मेदार और वैज्ञानिक उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

पीयूष गोयल बोले- नौ व्यापार समझौतों ने भारतीय उत्पादों के लिए खोले वैश्विक बाजार

मुंबई। केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने के अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घोषणा की कि बहुप्रतीक्षित भारत-यूनाइटेड किंगडम (यूके) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू होने जा रहा है। एक प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने संभावनाओं वाले देश से आत्मनिर्भर वैश्विक शक्ति बनने तक का आत्मविश्वास भरा सफर तय किया है। इस अवसर पर राज्य सह-मीडिया प्रमुख ओमप्रकाश चौहान और राज्य प्रवक्ता पंकज मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि इससे भारतीय उत्पादों के लिए नए वैश्विक बाजार खुले हैं, रोजगार के अवसर बढ़े हैं और खास तौर पर भारतीय उद्यमियों, किसानों, मछुआरों और महिला कारोबारियों के लिए व्यापार के नए रास्ते बने हैं। पीयूष गोयल ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की हालिया फ्रांस यात्रा के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ताएं और 15 जुलाई से लागू होने वाला भारत-ब्रिटेन एफटीए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए निकट भविष्य में बड़े सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया के 33 देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। इनमें कई विकसित देश और ऐसे राष्ट्र भी शामिल हैं जिनके साथ भारत के पहले बहुत करीबी कूटनीतिक संबंध नहीं रहे थे।

भारत का राजकोषीय दुविधा में, क्यों कम पड़ रही है तैयारी

वित्त मंत्री के 3 एफ अपर्याप्त, भारत को चौथे एफ राजकोषीय गुंजाइश की सख्त दरकार

नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मौजूदा संकट से निपटने के लिए विदेशी मुद्रा, ईंधन और उर्वरक पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया है, जिसे उन्होंने 3 एफ का नाम दिया। हालांकि, आर्थिक विश्लेषकों और विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को एक चौथे, लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण एफ - राजकोषीय गुंजाइश (फिसकल स्पेस) की सख्त दरकार है। उनका तर्क है कि यदि भारत ने अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों में पर्याप्त राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो उसके पास अनपेक्षित संकट का सामना करने के लिए कहीं अधिक विकल्प उपलब्ध होते। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड संकट (2022-23) के बाद के तीन अच्छे वर्षों में यदि भारत ने अधिक राजकोषीय गुंजाइश बनाई होती, तो मौजूदा अप्रत्याशित संकट का सामना करने में उसके पास बेहतर विकल्प होते। एक विश्लेषक ने जनवरी 2025 में ही चेतावनी दी थी कि अनुकूल समय में राजकोषीय गुंजाइश न बनाने पर अगला संकट बेतहाशा कठिन होगा। इस चेतावनी को नजरअंदाज किया गया, और भारत सीमित विकल्पों के साथ एक ऐसे संकट का सामना कर रहा है जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। केंद्र सरकार की राजकोषीय घाटे में कमी की राह बहुत धीमी रही है। वित्त वर्ष 2022 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.7 प्रतिशत रहा राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2027 के बजट अनुमानों में 4.3 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है, जो कि बेहद क्रमिक गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में, वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में राज्यों का राजकोषीय घाटा भी बढ़ा, जिससे सार्वजनिक ऋण जीडीपी के 80 प्रतिशत से ऊपर ही बना रहा।

विशेषज्ञों के अनुसार, इस धीमी राजकोषीय सुधार ने निजी निवेश के लिए वित्तीय नियंत्रण को बढ़ाया है और वाणिज्यिक ब्याज दरों को उच्च बनाए रखा है। राजकोषीय घाटे को तेजी से कम करने का एक प्रभावी तरीका निजीकरण था, लेकिन एयर इंडिया की बिक्री के बाद यह प्रक्रिया लगभग ठप पड़ गई। राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान के एक अध्ययन का हवाला देते हुए विशेषज्ञ तर्क देते हैं कि रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने वाली महारत्न कंपनियों को छोड़कर, इतने अधिक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बनाए रखने का कोई कारण नहीं है। पहले इन उपक्रमों की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में करने का सुझाव दिया गया था, लेकिन अब जब बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश हो चुका है, तो इन निधियों का उपयोग सार्वजनिक ऋण को कम करने और भविष्य के संकटों के लिए आवश्यक राजकोषीय गुंजाइश बनाने में किया जाना चाहिए।

मारुति सुजुकी अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करने की तैयारी में

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी एक नई इलेक्ट्रिक एमपीवी लान्च करने जा रही है, जिसका कोडनेम वाईएमसी है। कंपनी इसे साल 2027 के मध्य तक भारतीय बाजार में उतारेगी। यह नई एमपीवी एसयूवी से प्रेरित एक मजबूत और स्टाइलिश लुक के साथ आएगी, और इसकी सबसे खास बात इसकी प्रभावशाली रेंज होगी, जो एक बार चार्ज होने पर 500 किलोमीटर तक हो सकती है।

मारुति की इस नई इलेक्ट्रिक एमपीवी का डिजाइन आम एमपीवी से हटकर होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसे एसयूवी जैसा ऊंचा फ्रंट, बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस और रगेड बाडी डिजाइन दिया जा सकता है, जैसा कि टेस्टिंग के दौरान देखे गए माडल में नजर आया। इसके कुछ डिजाइन एलिमेंट्स मारुति ई-विटारा से भी मिलते-जुलते हो सकते हैं। इसमें नए अलाय वील्स और एलईडी लाइट्स भी देखने को मिल सकती हैं, जो इसे सड़कों पर एक दमदार उपस्थिति देगी। इंटीरियर की बात करें तो, इसका डैशबोर्ड और केबिन लेआउट भी ई-विटारा से प्रेरित हो सकता है। फीचर्स में 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 10.1 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम मिलने की उम्मीद है। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पैनोरमिक सनरूफ, वायरलेस फोन चार्जर और 10-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट जैसे फीचर्स भी दिए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से, इसके टाप वेरिएंट्स में लेवल-2 एडीएएस तकनीक शामिल होने की संभावना है, जिसमें एडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट और आटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग जैसे उन्नत फीचर्स होंगे। बैटरी और रेंज के मामले में, यह इलेक्ट्रिक एमपीवी दो बैटरी विकल्पों के साथ आ सकती है। शुरुआती माडल में 49 किलोवाट-घंटे का बैटरी पैक मिलने की संभावना है, जो 142 हार्सपावर की पावर और 193 एनएम का टार्क पैदा करेगा और लगभग 400 किलोमीटर की रेंज देगा। वहीं, बड़े वेरिएंट में 61 किलोवाट-घंटे का बैटरी पैक दिया जा सकता है।

इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैचों की श्रृंखला के लिए कमर कस रही है, जो 14 से 19 जुलाई तक खेली जाएगी। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए टीम चयन से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए एक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिष्ठित सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने वाला यह फिटनेस टेस्ट विराट के इंग्लैंड दौरे पर भागीदारी के लिए निर्णायक साबित होगा, जिसकी पुष्टि बीसीसीआई के सूत्रों ने की है। विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को गुजरात टाइटंस के खिलाफ एक अविश्वसनीय और यादगार जीत दिलाई थी, उसी मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। उनकी शानदार नाबाद 75 रन की पारी ने भले ही आरसीबी को खिताब दिलाया, लेकिन इस चोट ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला से बाहर रहने पर मजबूर कर दिया था। यह चोट खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों में खिलाड़ियों को प्रभावित कर सकती है और विराट जैसे शीर्ष खिलाड़ी के लिए इसका समय बहुत ही नाजुक था। वर्तमान में, विराट लंदन में अपनी चोट से उबरने और गहन रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को पूरा करने में व्यस्त हैं, जहां वह विशेषज्ञों की निगरानी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोहली बहुत जल्द बीसीसीआई के सीओई में अपनी फिटनेस जांच के लिए रिपोर्ट करेंगे। भारतीय टीम में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब वह इस फिटनेस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे। कोहली का अनुभव, उनकी मौजूदा फार्म और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता टीम इंडिया के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है, खासकर इंग्लैंड जैसी मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ। उनकी अनुपस्थिति टीम के मध्यक्रम में अनुभव और स्थिरता की कमी महसूस करा सकती है, यही कारण है कि चयनकर्ता उनके फिटनेस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन करना है। यह चयन न केवल खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित होगा बल्कि उनकी शारीरिक फिटनेस पर भी उतना ही निर्भर करेगा, जैसा कि विराट के मामले में देखा जा रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज भारत के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह अगले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट, जैसे कि संभावित टी20 विश्व कप या चैंपियंस ट्राफी, से पहले अपनी बेंच स्ट्रेंथ, प्रमुख खिलाड़ियों के फार्म और टीम संयोजन का आकलन करने का एक शानदार अवसर प्रदान करती है। बीसीसीआई सीओई खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है, जहां चोटिल खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर काम करते हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटने की तैयारी करते हैं। खिलाड़ियों की चोट से उबरने की प्रक्रिया को बीसीसीआई द्वारा बहुत गंभीरता से लिया जाता है, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पूरी तरह से फिट होकर ही मैदान पर उतरें और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें।

न्यूज ब्रीफ

कायरन पोलार्ड टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

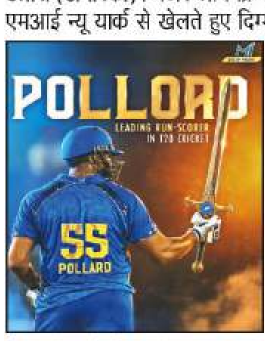

डलास (अमेरिका)। मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यू यार्क से खेलते हुए दिग्गद खिलाड़ी कायरन पोलार्ड ने बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। पोलार्ड टी-20 क्रिकेट इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में अपने हमवतन दिग्गज क्रिस गेल को पीछे छोड़ दिया है। पोलार्ड ने एमएलसी 2026 में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ शानदार शतक जड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 56 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। इस शतकीय पारी के बाद पोलार्ड के टी-20 क्रिकेट में कुल रन 14,582 हो गए, जबकि क्रिस गेल के नाम 14,562 रन दर्ज हैं। इस तरह पोलार्ड टी20 क्रिकेट के सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इन दोनों खिलाड़ियों के बाद एलेक्स हेल्स (14,449), जोस बटलर (14,371), डेविड वार्नर (14,284) और विराट कोहली (14,218) के नाम हैं। हालांकि, मुकाबले में पोलार्ड की ऐतिहासिक पारी उनकी टीम को जीत नहीं दिला सकी। मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम ने पांच विकेट पर 245 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में एमआई न्यू यार्क की टीम निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 215 रन ही बना सकी और मुकाबला 30 रन से हार गई। पोलार्ड सिर्फ रन बनाने के मामले में ही नहीं, बल्कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने अपने करियर में 736 टी20 मुकाबले खेले हैं, जो इस फार्मेट में एक रिकार्ड है। उनके नाम दो शतक और 67 अर्धशतक शामिल हैं। पोलार्ड इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 700 से ज्यादा टी20 मैच खेले हैं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान पोलार्ड अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन फ्रेंचाइजी क्रिकेट में अब भी सक्रिय हैं। हालांकि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेलते हैं। मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेलने वाले पोलार्ड आईपीएल से भी संन्यास ले चुके हैं और फिलहाल टीम के बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा रहे हैं।

महिला टी20 विश्व : पाकिस्तान और नीदरलैंड बाहर हुई, भारतीय टीम का पहुंचना तय

लंदन। पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीम इंग्लैंड एंड वेल्स में जारी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले हारने के साथ ही बाहर हो गयी है। वहीं अब ग्रुप ए से केवल भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। वहीं लीग मैचों के आधे पड़ाव तक पहुंचते-पहुंचते दो टीमों का सफर समाप्त हो गया है। ग्रुप ए से पाकिस्तान और नीदरलैंड की टीमों को बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही ये टीमें बाहर हो गयीं। इन हारों के साथ ही पाकिस्तान और नीदरलैंड दोनों टीमें अपने तीन-तीन लीग मैच हारी हैं। उसके दो-दो मुकाबले अभी बाकी हैं पर अब वह छह अंकों के सेमीफाइनल क्वालीफिकेशन मार्क तक नहीं पहुंच पाएंगी। वहीं ग्रुप ए की अंकतालिका को देखें तो ऑस्ट्रेलिया ने तीन में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ लगभग सेमीफाइनल के लिए प्रवेश हासिल किया है जबकि भारतीय टीम अपने दो मैच जीतकर 4 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

मौजूदा फुटबाल विश्व कप में गोल की बौछार, 1958 के बाद सबसे तेजी से पूरा हुआ 100 गोल का आंकड़ा

हुआस्टन। फीफा विश्व कप 2026 का खुमार पूरी दुनिया पर छा चुका है। मौजूदा टूर्नामेंट में ग्रुप चरण के करीब आधे मैच हो चुके हैं और धीरे-धीरे नाकआउट की तस्वीर साफ हो रही है। मौजूदा फुटबाल विश्व कप इतिहास के पन्नों में भी अपना नाम दर्ज करा रहा है। इस टूर्नामेंट में गोलों की ऐसी बरसात हो रही है कि इसने पिछले 68 वर्षों का रिकार्ड तोड़ दिया है। 2026 का यह विश्व कप साल 1958 के बाद से सबसे तेजी से 100 गोल के आंकड़े तक पहुंचने वाला टूर्नामेंट बन गया है। इस ऐतिहासिक मुकाम को टूर्नामेंट के महज 33वें मैच में ही हासिल कर लिया गया। काडी गैक्पो के गोल से पूरा हुआ शतक फीफा विश्व कप के 33वें मैच में नीदरलैंड का सामना स्वीडन से हुआ। इस मैच में नीदरलैंड ने स्वीडन को 5-1 से शिकस्त दी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से तीसरा गोल करते ही लिवरपूल के फारवर्ड खिलाड़ी काडी गैक्पो ने इतिहास रच दिया। उनका यह गोल इस टूर्नामेंट का 100वां गोल (शतक) साबित हुआ। इस समय अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा की संयुक्त मेजबानी में खेले जा रहे इस विश्व कप में प्रति मैच औसतन 3.09 गोल हो रहे हैं।

फीफा विश्व कप ट्राफी की चोरी का रहस्य, 7 दिन बाद जासूस कुत्ते ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित फुटबाल टूर्नामेंट माना जाता है और इसकी ट्राफी खेल जगत की सबसे अनमोल धरोहरों में गिनी जाती है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी आया था जब विश्व कप की असली ट्राफी चोरी हो गई थी और उसे खोजने में पुलिस नहीं, बल्कि एक जासूस कुत्ते ने अहम भूमिका निभाई थी। यह घटना वर्ष 1966 की है, जब इंग्लैंड फीफा विश्व कप की मेजबानी की तैयारियों में जुटा हुआ था। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ महीने पहले लंदन में आयोजित एक प्रदर्शनी में विश्व कप की मूल ट्राफी, जिसे उस समय जूल्स रिमेट ट्राफी कहा जाता था, लोगों के प्रदर्शन के लिए रखी गई थी। इसी दौरान अज्ञात चोर ट्राफी को चुरा ले गए। ट्राफी के गायब होने की खबर फैलते ही इंग्लैंड में हड़कंप मच गया। स्काटलैंड यार्ड की पुलिस और फीफा अधिकारियों ने व्यापक स्तर पर जांच शुरू की, लेकिन कई दिनों की खोजबीन के बाद भी ट्राफी का कोई सुराग नहीं मिल सका। ट्राफी की चोरी से इंग्लैंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना होने लगी। पुलिस की तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो रही थीं। तभी इस कहानी में पिकल्स नाम के एक साधारण कुत्ते की एंट्री हुई। चोरी के सात दिन बाद पिकल्स अपने मालिक के साथ दक्षिण लंदन के एक इलाके में टहल रहा था। इसी दौरान उसकी नजर झाड़ियों में रखे एक संदिग्ध पैकेट पर पड़ी। कुत्ता लगातार भौंकने लगा, जिससे उसके मालिक का ध्यान उस ओर गया। जब मालिक ने पास जाकर देखा तो वह हैरान रह गया। झाड़ियों के बीच अखबार में लिपटी हुई वही विश्व कप ट्राफी रखी हुई थी, जिसकी तलाश पूरी दुनिया कर रही थी। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी और ट्राफी अधिकारियों को सौंप दी गई। इस तरह विश्व फुटबाल की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर सुरक्षित वापस मिल गई। ट्राफी की बरामदगी के बाद पिकल्स रातों-रात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गया। मीडिया में उसकी खूब चर्चा हुई और उसे एक राष्ट्रीय नायक की तरह सम्मान मिला। बाद में जब इंग्लैंड ने 1966 का विश्व कप जीतकर इतिहास रचा, तब विजय समारोह के विशेष रात्रिभोज में पिकल्स को भी सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अनोखी घटना ने साबित कर दिया कि कभी-कभी बड़े से बड़ा रहस्य सुलझाने में इंसानों से ज्यादा योगदान एक वफादार जानवर भी दे सकता है।

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग : सेमीफाइनल की रेस हुई रोमांचक, इंदौर के होल्कर स्टेडियम में दो बड़े मुकाबले

इंदौर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है। लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए टीमों के बीच खींचतान तेज हो गई है। रविवार, 21 जून को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले जाने वाले दो मुकाबले प्लेआफ की दौड़ का गणित बदल सकते हैं। अंक तालिका में चौथे स्थान पर मौजूद जबलपुर रायल लायंस के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है। 8 अंकों के साथ जबलपुर टीम टाप-4 में अपनी स्थिति और मजबूत करने के इरादे से उतरेगी। टीम के मुख्य बल्लेबाज अजय रोहेरा शानदार फार्म में हैं, जिन्होंने 7 मैचों में 440 रन बनाए हैं। वहीं, सातवें स्थान पर संघर्ष कर रही ग्वालियर चीता के लिए यह मैच करो या मरो जैसा है। ग्वालियर की उम्मीदें आरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे पार्थ चौधरी (420 रन) और कप्तान रजत पाटीदार के कंधों पर टिकी होंगी। दिन का दूसरा मुकाबला अंक तालिका में पिछड़ी हुई दो टीमों - बुंदेलखंड बुल्स और उज्जैन फाल्कन्स के बीच होगा। दोनों ही टीमों को सेमीफाइनल की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। बुंदेलखंड बुल्स के कप्तान अभिषेक पाटक और उनके गेंदबाज कुलदीप सेन पर जिम्मेदारी होगी, जबकि उज्जैन फाल्कन्स की टीम में कप्तान चंचल राठौड़ और बल्लेबाज शुभम कुशवाहा पर निगाहें रहेंगी। होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जा रही है, जहां इस सीजन में लगातार 200 से अधिक का स्कोर देखने को मिला है। विशेषज्ञों के अनुसार, ओस की कमी और दिन के समय की अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए टास जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकता है। लीग में चंबल घड़ियाल पहले ही 16 अंकों के साथ अपनी धाक जमा चुकी है, जबकि बाकी टीमों के बीच दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा जारी है। टूर्नामेंट के अंतिम पड़ाव में अब नेट रन रेट की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है।

भुवनेश्वर कुमार की स्विंग से प्रेरित नंदिनी शर्मा

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उभरती हुई तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने महिला टी-20 विश्व कप 2026 में नीदरलैंड्स के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए भारत को शुरुआती सफलताएं दिलाईं, जिससे उनकी प्रतिभा और भविष्य की उम्मीदों पर सबका ध्यान केंद्रित हो गया है। इस बड़े टूर्नामेंट में नंदिनी भारत के लिए एक अहम भूमिका निभा सकती हैं, और यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर भारत को महिला टी-20 विश्व कप जीतना है तो नंदिनी सहित अन्य भारतीय गेंदबाजों को लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हाल ही में एक इंटरव्यू में, नंदिनी शर्मा ने भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को अपना आदर्श बताया और उनसे बहुत कुछ सीखने की इच्छा भी जाहिर की है। आईसीसी द्वारा साझा किए गए एक साक्षात्कार में, नंदिनी शर्मा से जब पहला सवाल पूछा गया कि उन्होंने किस क्रिकेटर को कापी करने का प्रयास किया था, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के भुवनेश्वर कुमार का नाम लिया। नंदिनी ने कहा कि उन्होंने भुवनेश्वर कुमार को मुख्य रूप से उनकी स्विंग गेंदबाजी के लिए कापी करने का प्रयास किया था, क्योंकि वह बहुत अच्छा स्विंग कराते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे कभी भुवनेश्वर कुमार से मिली हैं, तो उन्होंने ना में जवाब दिया, लेकिन तुरंत मिलने की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा कि अगर मुझे उनसे मिलने का मौका मिलेगा तो मैं पूछूंगी कि इतना अच्छा स्विंग कैसे कराते हैं, मुझे आप टिप्स दीजिए।

यह दर्शाता है कि नंदिनी अपनी गेंदबाजी में सुधार के लिए कितनी उत्सुक हैं और अपने आदर्श से प्रेरणा लेने के लिए तत्पर हैं।

नंदिनी शर्मा का जन्म 2001 में हुआ था और वह दाहिने हाथ की मध्यम गति की तेज गेंदबाज हैं, साथ ही दाहिने हाथ से बल्लेबाजी भी करती हैं। उन्होंने मई 2026 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई सीरीज के साथ अपना टी-20 डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 4 टी-20 मैच खेले हैं, जिसकी सभी 4 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 20.67 की औसत और 8.86 की इकोनामी रेट के साथ कुल 6 विकेट चटकाए हैं। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी उनका प्रदर्शन प्रभावी रहा है, जहाँ उन्होंने 10 मैचों की सभी 10 पारियों में गेंदबाजी करते हुए 18.59 की औसत और 8.32 की इकोनामी रेट के साथ कुल 17 विकेट हासिल किए हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स विमेंस, भारतीय महिला ए टीम और भारतीय टीम के लिए क्रिकेट खेला है।

महिला वॉलीबाल नेशंस लीग

फीलीपींस में महिला वालीबाल नेशंस लीग में खेलती हुई डोमिनिक रिपब्लिक टीम की खिलाड़ी।

अंधेरे दौर में पत्नी बनीं सहारा, श्रीसंत ने सुनाई संघर्ष और विश्वास की भावुक कहानी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के तेज गेंदबाज एस. श्रीसंत का जीवन उतार-चढ़ाव, सफलता, विवाद और संघर्ष से भरी एक ऐसी कहानी है, जो किसी फिल्म की पटकथा से कम नहीं लगती। मैदान पर अपनी आक्रामक गेंदबाजी और जुझारू अंदाज के लिए पहचान बनाने वाले श्रीसंत को वर्ष 2013 में सामने आए आईपीएल स्पाट फिक्सिंग मामले ने गहरे संकट में धकेल दिया था। इस विवाद ने न केवल उनके क्रिकेट करियर को प्रभावित किया, बल्कि निजी जीवन में भी उन्हें कठिन मानसिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में श्रीसंत ने उस दौर को याद करते हुए बताया कि उनकी पत्नी भुवनेश्वरी कुमारी का साथ ही उन्हें टूटने से बचा सका।

वर्ष 2013 में आईपीएल के दौरान दिल्ली पुलिस ने श्रीसंत को अजीत चंडीला और अंकित चव्हाण के साथ स्पाट फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया, जबकि उनकी टीम राजस्थान रायल्स ने भी उनसे दूरी बना ली। अचानक आए इस संकट ने श्रीसंत को मानसिक रूप से बेहद कमजोर कर दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि जेल में बिताए गए दिनों के दौरान कई बार उनके मन में जीवन समाप्त करने जैसे विचार भी आए।

श्रीसंत ने बताया कि ऐसे कठिन समय में उनकी तत्कालीन प्रेमिका और वर्तमान पत्नी भुवनेश्वरी ने उन्हें लगातार हिम्मत दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2010 में उन्होंने भुवनेश्वरी से वादा किया था कि यदि भारत 2011 का एकदिवसीय विश्व कप जीतता है तो वे उनसे विवाह करेंगे। यही वादा और उनके प्रति जिम्मेदारी का भाव उन्हें हर मुश्किल घड़ी में संभालता रहा। उन्होंने अपनी प्रेम कहानी का भी जिक्र किया। पहली मुलाकात एक विद्यालय कार्यक्रम में हुई थी, जहां वे मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे थे। इसके बाद दोनों की कई मुलाकातें हुईं और समय के साथ उनका रिश्ता मजबूत होता गया। दिलचस्प बात यह रही कि उनकी सगाई उस समय हुई जब वे जमानत पर जेल से बाहर आए थे।

इससे पहले वर्ष 2012 में भी श्रीसंत गंभीर स्वास्थ्य समस्या से जूझ चुके थे। पैर के अंगूठे की सर्जरी के बाद डाक्टरों ने उन्हें स्थायी शारीरिक नुकसान की आशंका जताई थी। उस समय भी भुवनेश्वरी और उनके परिवार ने उनका साथ नहीं छोड़ा।

इरा एरी भारतीय मूल की आस्ट्रेलियन क्रिकेटर, बनीं सोशल मीडिया की नई सनसनी

नई दिल्ली

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बीच भारतीय मूल की आस्ट्रेलियन क्रिकेटर इरा एरी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, यह चर्चा उनके क्रिकेटिंग कौशल से अधिक उनकी असाधारण खूबसूरती और करिश्माई व्यक्तित्व को लेकर है। इरा एरी ने आस्ट्रेलिया के जूनियर क्रिकेट सर्किट में पहले ही अपनी दमदार छाप छोड़ी है और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें जल्द ही आस्ट्रेलियाई महिला सीनियर टीम में खेलने का मौका मिल सकता है। जबकि आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदारों में से एक है और उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी दमदार शुरुआत भी की है, इसी बीच आस्ट्रेलिया की एक युवा जूनियर क्रिकेटर अचानक सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगी हैं। इस महिला क्रिकेटर का नाम है इरा एरी, जो अपनी सुंदरता और खेल दोनों के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। इरा एरी भारतीय मूल की आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं, और उनकी उपस्थिति ने युवा महिला क्रिकेटरों के प्रति प्रशंसकों की रुचि को और बढ़ा दिया है। 17 साल की इरा को अभी तक आस्ट्रेलिया की महिला सीनियर टीम में डेब्यू का मौका नहीं मिला है, लेकिन उनकी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए इसकी जल्द ही उम्मीद की जा रही है। वह आस्ट्रेलिया के क्रिकेट भविष्य का एक उज्ज्वल सितारा मानी जा रही हैं। बता दें कि इरा इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर इरा की कई सारी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही है। ऐसे में क्रिकेट फैंस भी यह जानना चाह रहे हैं कि भारतीय मूल की यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कौन हैं, जो मैदान और आफ-फील्ड दोनों जगह जलवा बिखेर रही हैं। इरा का जन्म विक्टोरिया के हाइडेलबर्ग में हुआ था। वह एक दाएं हाथ की मीडियम पेसर और कुशल बैटर हैं, जो उन्हें एक बहुमुखी आलराउंडर बनाती हैं।

इरा ने बहुत छोटी उम्र में ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था और जल्द ही अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान आकर्षित किया। इरा को आस्ट्रेलिया की उभरती हुई महिला क्रिकेटर कहा जा रहा है, और जूनियर टीम में उनके दमदार प्रदर्शन के कारण अब सीनियर टीम में उनके डेब्यू की बात जोर पकड़ रही है। उनका खेल का तरीका और समर्पण उनकी उम्र के हिसाब से काफी परिपक्व है। इरा के प्रदर्शन की बात करें तो आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच हाल ही में हुई अंडर-19 ट्राई-सीरीज में वह अपनी गेंदबाजी को लेकर विशेष रूप से चर्चा में रही थीं। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी बनीं थीं, उन्होंने कुल 13 विकेट अपने नाम किए थे। उनकी काबिलियत और लगातार अच्छी बालिंग ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को बहुत प्रभावित किया है, जो उन्हें भविष्य की एक बड़ी संभावना के रूप में देख रहे हैं। गेंदबाजी के साथ-साथ, इरा एरी सोशल मीडिया पर क्रश बन गई हैं। फैंस उनकी खूबसूरती, फिटनेस और खेल के अनोखे अंदाज के दीवाने हो गए हैं। कुछ फैंस तो उनकी तुलना आस्ट्रेलियाई स्टार आलराउंडर एलिस पेरी से भी कर रहे हैं, जो अपनी प्रतिभा और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इरा अपने अद्वितीय टैलेंट और कड़ी मेहनत के दम पर अपनी एक अलग पहचान बना रही हैं और उन्हें किसी और से तुलना किए बिना, एक स्वतंत्र खिलाड़ी के रूप में देखा जाना चाहिए।

अंबुवासी आज, रात को बंद होंगे कपाट

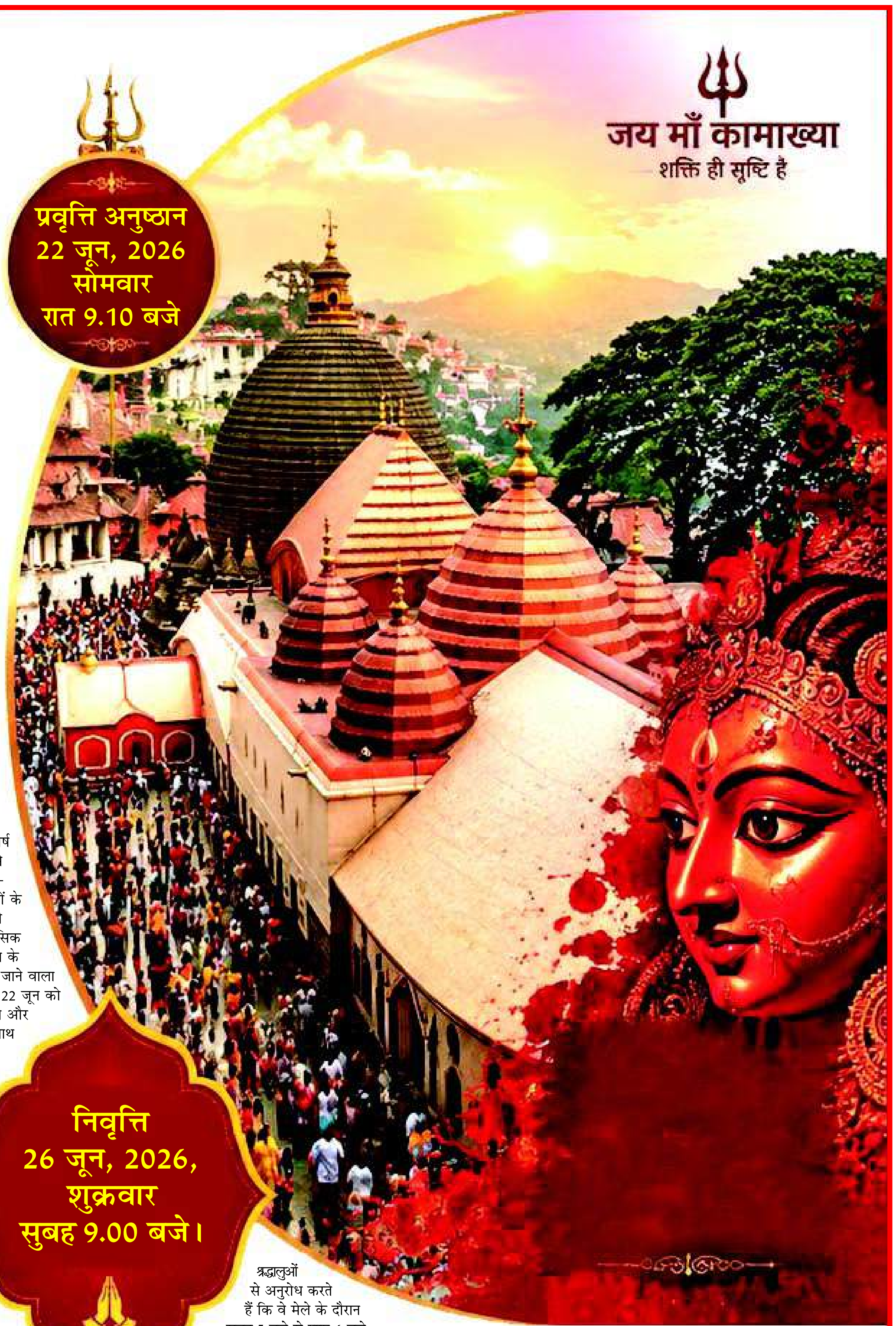

असम की राजधानी गुवाहाटी की नीलाचल पहाड़ी पर स्थित मां कामाख्या मंदिर सिर्फ एक शक्तिपीठ नहीं, बल्कि आस्था, रहस्य और तंत्र साधना का ऐसा केंद्र है, जिसके बारे में जितना पढ़ा जाए, उतना कम लगता है। हर साल यहां एक ऐसा पर्व मनाया जाता है, जिसे देखने और समझने के लिए देश ही नहीं, दुनियाभर से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। इस पर्व का नाम है अंबुवासी मेला। साल 2026 में अंबुवासी मेले का आयोजन 22 जून से 26 जून तक हो रहा है। जो साल में केवल एक बार लगता है। लेकिन यह कोई सामान्य धार्मिक मेला नहीं है। इसके पीछे एक ऐसी मान्यता जुड़ी है, जो प्रकृति, स्त्री शक्ति और सृष्टि के चक्र को एक साथ जोड़ती है। 22 जून की रात विशेष *प्रवृत्ति अनुष्ठान* के साथ अंबुवासी मेले की शुरुआत होगी। इसके बाद मां कामाख्या मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। अगले तीन दिनों तक न तो दर्शन होंगे और न ही नियमित पूजा-अर्चना गर्भगृह के अंदर की जाएगी। वहीं 3 दीन बाद 26 जून 2026 को मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोले जाएंगे और इसी के साथ लाखों श्रद्धालुओं की प्रतीक्षा समाप्त हो जाएगी और भक्त माता शक्तिपीठ के दर्शन और पूजा अर्चना फिर से कर पाएंगे। पहली बार इस पूजा के बारे में सुनने वाले लोग अकसर ये सवाल करते हैं कि आखिर ऐसा क्यों होता इस पूजा में है? इसका जवाब कामाख्या मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता में छिपा है। मान्यता है कि इन तीन दिनों के दौरान मां कामाख्या रजस्वला होती हैं। जिस तरह एक स्त्री के शरीर में मासिक धर्म की प्रक्रिया होती है, उसी तरह इन दिनों देवी को भी विश्राम दिया जाता है। यही कारण है कि मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और किसी भी प्रकार की पूजा इन दिनों में नहीं की जाती। भारतीय धार्मिक परंपराओं में यह शायद अकेला ऐसा बड़ा पर्व है, जहां स्त्री के जैविक चक्र को छिपाने के बजाय उसे सृष्टि की शक्ति और सृजन का प्रतीक मानकर सम्मान दिया जाता है और 3 दिन पर्व की तरह मनाया जाता है। कामाख्या मंदिर की एक और विशेषता है कि यहां देवी की कोई मूर्ति स्थापित नहीं है। मंदिर के गर्भगृह में एक प्राकृतिक शिला है, जिसे देवी शक्ति की योनि मानी जाती है। कहा जाता है कि मां सती का ये अंग यहीं गिरा था। इसी योनि से एक प्राकृतिक जलधारा निरंतर बहती रहती है। श्रद्धालु इसी स्थान के दर्शन करते हैं और इसे मां कामाख्या का स्वरूप मानते हैं। कामाख्या मंदिर का संबंध प्राचीन पौराणिक कथा से भी जोड़ा जाता है। मान्यता के अनुसार जब राजा दक्ष के यज्ञ में अपमानित होकर माता सती ने योगाग्नि में अपने प्राण त्याग दिए, तब भगवान शिव उनके शरीर को लेकर तांडव करने लगे। भगवान शिव की ये दशा सृष्टि के कल्याण के लिए अच्छी नहीं थी। ब्रह्मांड को बचाने के लिए भगवान विष्णु ने एक निर्णय लिया और अपने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के कई टुकड़े कर दिए। जहां-जहां सती के अंग गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हुए। माना जाता है कि कामाख्या में माता सती का योनिभाग गिरा था। इसी कारण यह स्थान शक्ति और सृजन का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है। जहां एक तरह ये आस्था का केंद्र है वहीं उत्साह के बीच तांत्रिक साधना के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इन दिनों देशभर से साधु, संत, अघोरी, तांत्रिक और साधक मां कामाख्या के मंदिर पहुंचते हैं। कहा जाता है कि कई साधक तो पूरे साल इस मेले का इंतजार करते हैं। ताकि वह तंत्र सिद्धि को प्राप्त कर सकें। माना जाता है कि ये जगह हर तरह के ऊर्जा का बड़ा केंद्र भी है। तांत्रिक नीलाचल पहाड़ी के आसपास गुप्त रूप से साधना, जप और विशेष अनुष्ठान करते है। यही वजह है कि अंबुवासी मेले को कई लोग *तांत्रिक कुंभ* भी कहते हैं। जैसे ही कपाट खुलता है, वहां पड़ा कपड़ा लाल रंग में रंग जाता है, जो लोगों को बहुत हैरान करता है। जब तीन दिन बाद मंदिर के कपाट खुले जाते हैं, तब श्रद्धालुओं को यही कपड़ा विशेष प्रसाद के रूप में दिया जाता है। इसे *अंगवस्त्र* और *रक्त वस्त्र* कहा जाता है। मान्यता है कि यह प्रसाद देवी की कृपा पाने के लिए बेहद प्रमुख है। हालांकि जब तक कपाट बंद रहता है, तबतक वहां मेला लगता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु रोज आते हैं और विशेष वातावरण के साक्षी बनते हैं। उधर गुवाहाटी की ऐतिहासिक नीलाचल पहाड़ी पर स्थित मां कामाख्या मंदिर में इस वर्ष देश-विदेश से 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं, साधु-संतों और तांत्रिक साधकों के जुटने की उम्मीद है। देवी कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र और स्त्री शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय उत्सव 22 जून को *प्रवृत्ति* के साथ शुरू होगा और 26 जून को *निवृत्ति* के साथ समाप्त होगा। इस दौरान तीन दिनों तक मंदिर के कपाट पूरी तरह बंद रहेंगे और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन के विशेष प्रबंध किए गए हैं। असम की पर्यटन मंत्री अजंता नेउग ने मेले की व्यवस्था को लेकर कहा कि यह देश का सबसे बड़ा धार्मिक अंबुवासी मेला है। भारत और विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं। हम श्रद्धालुओं को पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर तरह से तैयार हैं। हमने निचले स्थानों पर शिविर और भोजन की व्यवस्था की है। लगभग 8 लाख लोगों के आने की उम्मीद है, इसलिए इस आयोजन का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है। हम श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हैं कि वे मेले के दौरान सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर अवश्य आएं। मेले के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, असम सरकार ने भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, परिवहन और आवास सुविधाओं के लिए 24 विभागों में 4.55 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मंदिर अधिकारियों ने सभी ऑफलाइन विशेष दर्शन काउंटरों को भी बंद कर दिया है। विशेष दर्शन के इच्छुक श्रद्धालुओं को ऑनलाइन पास बुक करना होगा, जबकि सामान्य दर्शन नि:शुल्क रहेंगे। मां कामाख्या मंदिर में साल में एक बार अंबुवासी मेला लगता है। इस मेले से बहुत ही प्राचीन और गहरी धार्मिक मान्यता जुड़ी हुई है। ऐसी मान्यता है कि इस वार्षिक मेले के दौरान मां कामाख्या अपने मासिक धर्म यानी रजस्वला से गुजरती हैं। यही कारण है कि इस दौरान देवी मां को पूरा आराम दिया जाता है और मंदिर के मुख्य कपाट तीन दिनों के लिए पूरी तरह बंद कर दिए जाते हैं। इन तीन दिनों में मंदिर परिसर में किसी तरह की कोई पूजा-अर्चना, आरती या अन्य कोई भी धार्मिक अनुष्ठान नहीं होते। चौथे दिन, खास शुद्धिकरण अनुष्ठान करने के बाद मंदिर के पट भक्तों के लिए खोले जाते हैं। इस साल अंबुवासी मेले की शुरुआत 22 जून 2026 से हो रही है, जो 26 जून तक चलेगा।

हजारों की संख्या में नागा साधु और संन्यासी पहुंचे कामाख्या धाम

अंबुवासी मेला असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर में आयोजित होने वाला एक प्रमुख वार्षिक उत्सव है। नीलाचल पहाड़ियों पर स्थित कामाख्या मंदिर, विश्व प्रसिद्ध अंबुवासी महायोग के नजदीक आने के साथ ही एक स्पष्ट ऊर्जा से जीवंत हो उठा है। अंबुवासी महायोग में बस एक दिन शेष रह जाने के साथ ही, मां कामाख्या मंदिर के पवित्र परिसर में भारत और यहां तक कि विदेशों से भी साधुओं, संन्यासियों और भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। ऐसे में यहां एक जीवंत और आध्यात्मिक माहौल बनता जा रहा है। पर्यटन विभाग, असम सरकार, जिला प्रशासन और कामाख्या डोलोई समाज (मंदिर प्राधिकरण) ने इस आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। देश के अलग-अलग भागों से आने वाले बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए पांडु बंदरगाह (कामाख्या रेलवे स्टेशन का एक बंदरगाह) और कामाख्या रेलवे स्टेशन पर शिविर स्थापित किए गए हैं। यहां से पैदल यात्रा लिए सभी सुविधाओं की तैयारियां की गई हैं। कामाख्या देवालय के सरू दलोई (कनिष्ठ पुजारी) हिमाद्री शर्मा ने बताया कि 22 जून को कामाख्या मंदिर में अंबुवासी महायोग शुरू होगा, 22 जून को दोपहर 2:56 बजे *प्रवृत्ति* (धरती माता के मासिक धर्म की अवधि) की शुरुआत के साथ मां कामाख्या मंदिर के कपाट बंद हो जाएंगे। कामाख्या मंदिर के मुख्य द्वार 23 से 25 जून तक तीन दिन के लिए बंद रहेंगे। शर्मा ने कहा कि मां कामाख्या मंदिर के दरवाजे 26 जून को सुबह *निवृत्ति* (मेले का समापन) और देवी के पारंपरिक स्नान और दैनिक अनुष्ठानों के बाद भक्तों के लिए फिर से खुल जाएंगे। इस साल अंबुवासी मेले में शांतिपूर्ण और व्यवस्थित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम होंगे। अंबुवासी मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं के लिए नीलाचल पहाड़ी पर प्रवेश प्रतिदिन सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक ही सीमित रहेगा। शाम 6 बजे के बाद प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। वहीं, स्वच्छ वातावरण बनाए रखने और भीड़ को रोकने के लिए, नीलाचल पहाड़ी पर श्रद्धालुओं के लिए आवास या भोजन वितरण की कोई व्यवस्था नहीं होगी। मंदिर प्रशासन ने शक्ति की पूजा के लिए शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करने पर जोर दिया है। मेले के दौरान 21 जून से 30 जून तक मंदिर में वीआईपी और वीवीआईपी प्रवेश सस्पेंड रहेगा। खास तौर पर, 26 और 27 जून को जब मंदिर आम दर्शन के लिए खुलेगा। ऐसे में वीआईपी या वीवीआईपी पास उपलब्ध नहीं होंगे। 28 जून से नियमित दैनिक दर्शन फिर से शुरू होंगे। इन दिनों मंदिर परिसर में किसी भी संगीत वाद्ययंत्र का प्रयोग या शोरगुल के साथ जुलूस निकालने की सख्त मनाही रहेगी। खासकर अंबुवासी के दौरान 51 शक्तिपीठों में से एक मां कामाख्या मंदिर का विशेष महत्व है। क्योंकि ऐसा माना जाता है कि यह वह स्थान है जहां सती की योनि (गर्भ) गिरी थी। यह अवधि धरती माता के वार्षिक मासिक धर्म चक्र से जुड़ी है, जो प्रजनन क्षमता,

रचनात्मकता और नारीत्व की पवित्रता का प्रतीक है। वहीं प्रयागराज जूना अखाड़े के राष्ट्रीय सचिव और चॉकलेट बाबा के नाम से मशहूर रंजिदानंद गिरि नागा साधु ने कहा कि वे 35 साल से अंबुवासी के दौरान यहां आते हैं। हर साल यहां नया रूप देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि अंबुवासी मेले के लिए सरकार ने बेहतरीन व्यवस्था की है। इस बार हजारों साधु आएंगे। उन्होंने कहा कि अंबुवासी के चार दिनों तक हम विश्व शांति के लिए महायज्ञ करेंगे। साथ ही नागा साधु मौन व्रत धारण कर माता की भक्ति करेंगे। उन्होंने सनातन धर्म का विरोध करने वालों के खिलाफ चल रहे प्रयासों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने वाले राक्षसों का वंश अभी भी मौजूद है। उन्होंने कहा कि ऐसे राक्षसों का विनाश निश्चित है। उन्होंने कहा कि सनातनियों और हिंदू अब जाग चुके हैं। एक अन्य नागा साधु, धनपति महंत नित्यानंद गिरि ने आध्यात्मिक पहलू पर जोर देते हुए कहा कि आंतरिक शांति के लिए योग का अभ्यास किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह सनातन धर्म की रक्षा के लिए शक्ति प्राप्त करने के लिए, शक्ति की पूजा करने के लिए मां के पास आए हैं। भक्ति के साथ, यहां आए साधु इन चार दिनों के लिए मां के चरणों में तपस्या और जप करेंगे। उन्होंने कहा कि हम नागा बाबा सात्विक पूजा (शुद्ध पूजा) करते हैं। नागा साधु धनपति महंत नित्यानंद गिरि ने पहलगाम घटना के बाद एक कड़ा बयान जारी किया है, जिसमें हत्याओं की निंदा की गई है। साथ ही साधुओं के बड़े पैमाने पर लामबंदी की संभावना का सुझाव दिया गया है। गिरि ने कहा कि पहलगाम में पीड़ितों को उनकी हिंदू या मुस्लिम पहचान के आधार पर मारा गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि साधु आमतौर पर बाला (कंगन) और माला (माला) रखते हैं, लेकिन वे ज़रूरत पड़ने पर हथियार रखने के लिए भी तैयार रहते हैं। उन्होंने मां कामाख्या से सृष्टि की रक्षा के लिए प्रार्थना की, साथ ही पड़ोसी देशों के प्रति चिंता भी व्यक्त की। गिरि ने कहा कि बांग्लादेश, पाकिस्तान जैसे देशों ने हमारी मातृभूमि भारत पर बुरी नजर डाली है। गिरी ने कड़ी चेतावनी देते हुए घोषणा की कि साधु और संन्यासी चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर आदेश मिले तो 10 लाख नागा बाबा नागा सेना के रूप में सनातन धर्म की रक्षा के लिए आगे बढ़ेंगे, जिसके लिए उन्होंने सब कुछ बलिदान कर दिया है। एक अन्य नागा बाबा महंत सावन भारती ने आत्मरक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र रखना नितांत आवश्यक है... हम धर्म के रक्षक हैं।